वर्ष १५, संख्या ११

"BHUGOL"
March 1939

भूगोल

गंगा-एटलस

सम्पादक
रामनारायण मिश्र, बी० ए०

वार्षिक मूल्य	३)
विदेश में	५)
इस अंक का	॥)

ANNUAL SUBSCRIPTION

Indian:	Rs. 3/-
Foreign:	Rs. 5/-
This copy	As. 8

प्रकाशकः—

"भूगोल"-कार्य्यालय, प्रयाग

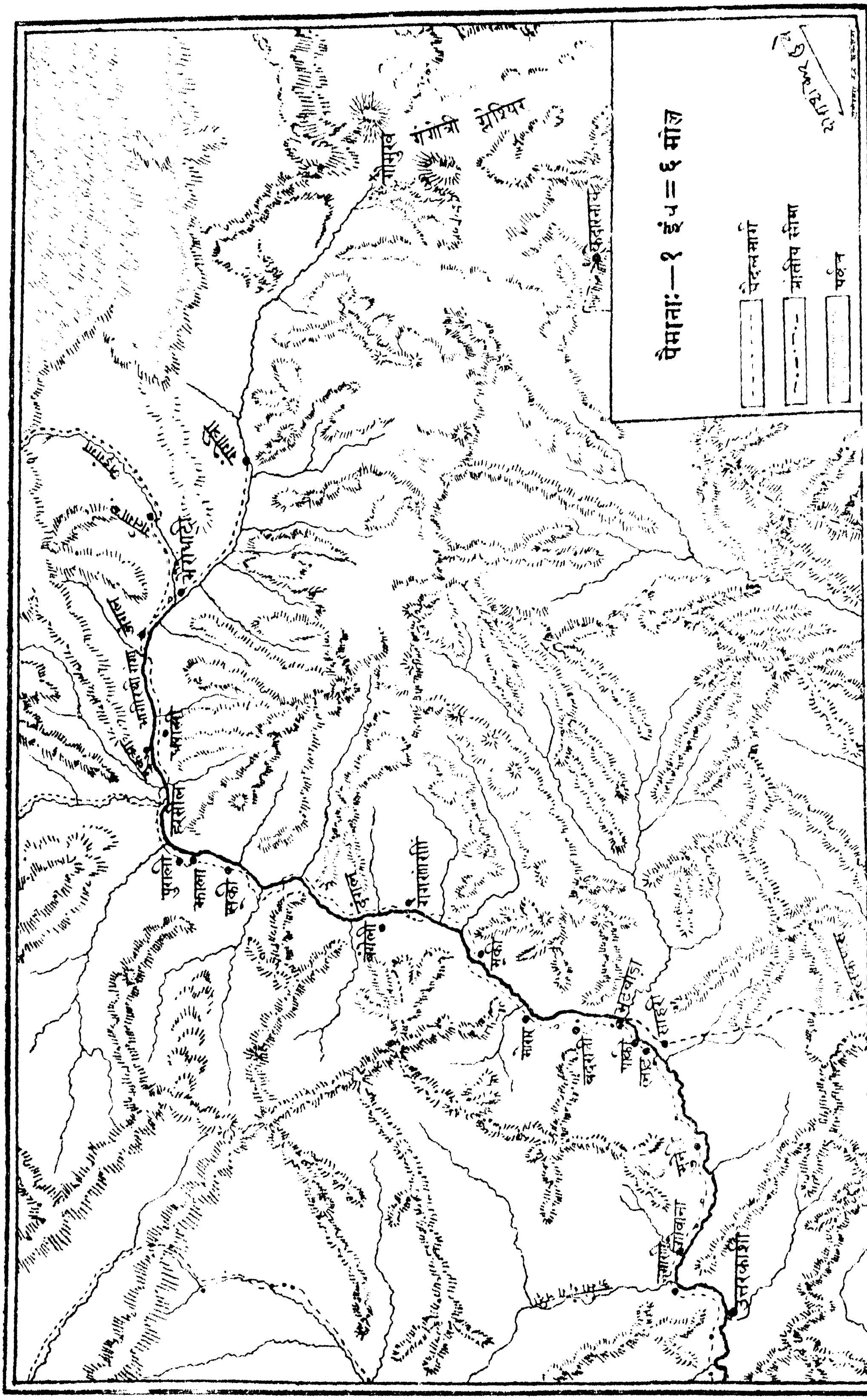
भूगोल

यह पत्र संयुक्तप्रान्त, मध्यप्रान्त, बरार, विहार, उड़ीसा, पंजाब प्रान्त तथा ग्वालियर, जैपुर, जोधपुर और कोटा राज्य के शिक्षा-विभाग द्वारा हाई, नार्मल और मिडिल स्कूलों में प्रयोग होने के लिये स्वीकृत है।

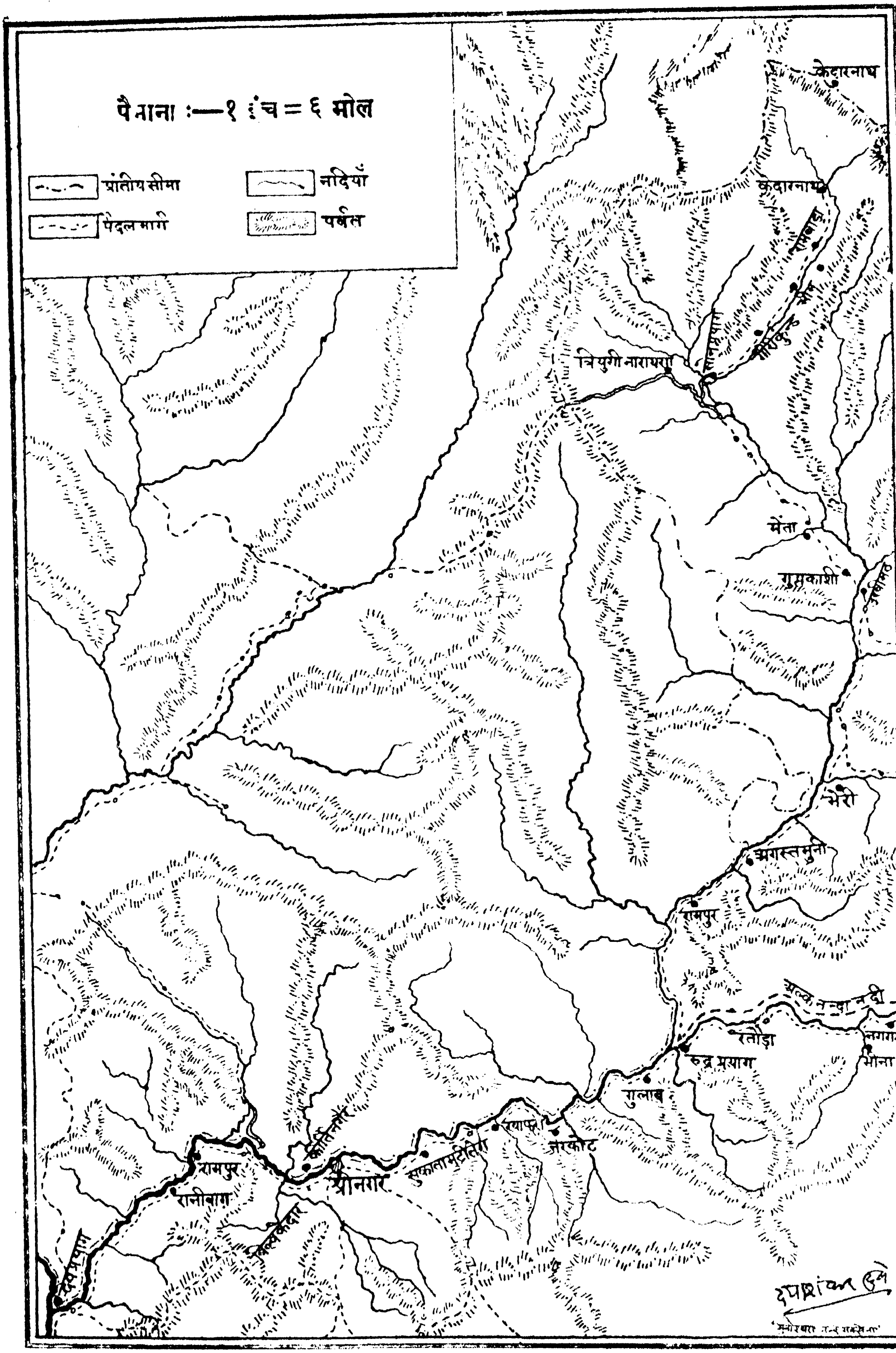
वर्ष १५] चैत्र सं० १९९६, मार्च १९३९ [सं० ११

गंगा-एटलस

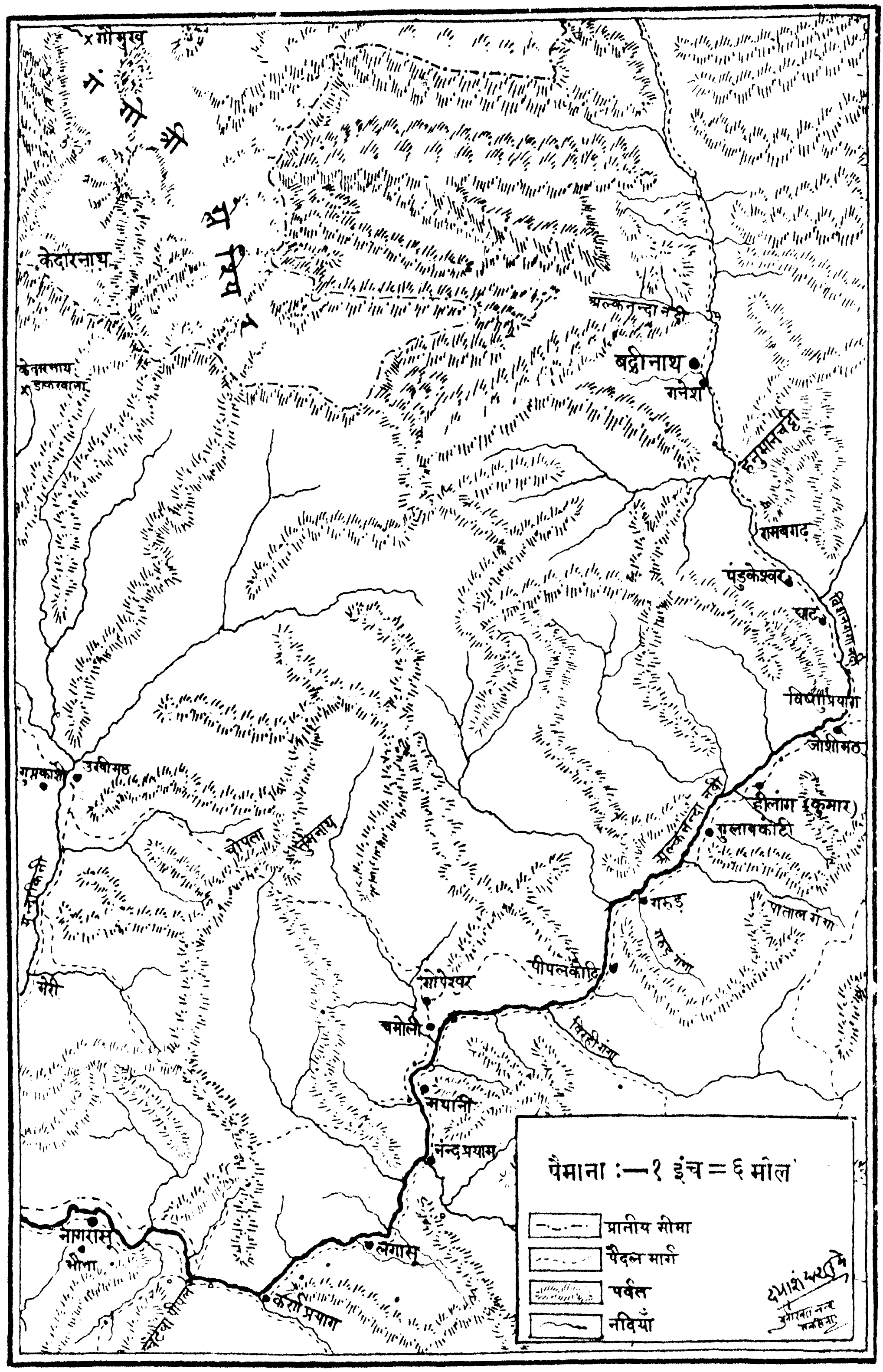
गंगा-अंक के नक़शे समय से तयार न हो सके थे और गंगांक के साथ न जा सके। अतः अब यह नक़शे गंगा-एटलस के रूप में पाठकों की सेवा में भेजे जा रहे हैं। गंगा के उद्गम से गंगा-सागर तक गंगा-तट के समीप में इतने स्थान पड़ते हैं कि उन सब को एक बड़े नक़शे में भी दिखलाना कठिन हो जाता। इसी लिये गंगा के प्रवाह प्रदेश को अलग अलग ३५ भागों में बाँट दिया गया है। आरम्भ के पहाड़ी प्रदेश में नगरों की संख्या कम है। लेकिन सघन मैदानी भाग में गंगा-तट पर इतने अधिक नगर पड़ते हैं कि बहुतों को छोड़ना पड़ा। फिर भी सभी महत्व पूर्ण स्थान दिखलाये गये हैं। आशा है "भूगोल" के पाठकों को यह गङ्गा-एटलस उपयोगी सिद्ध होगी।



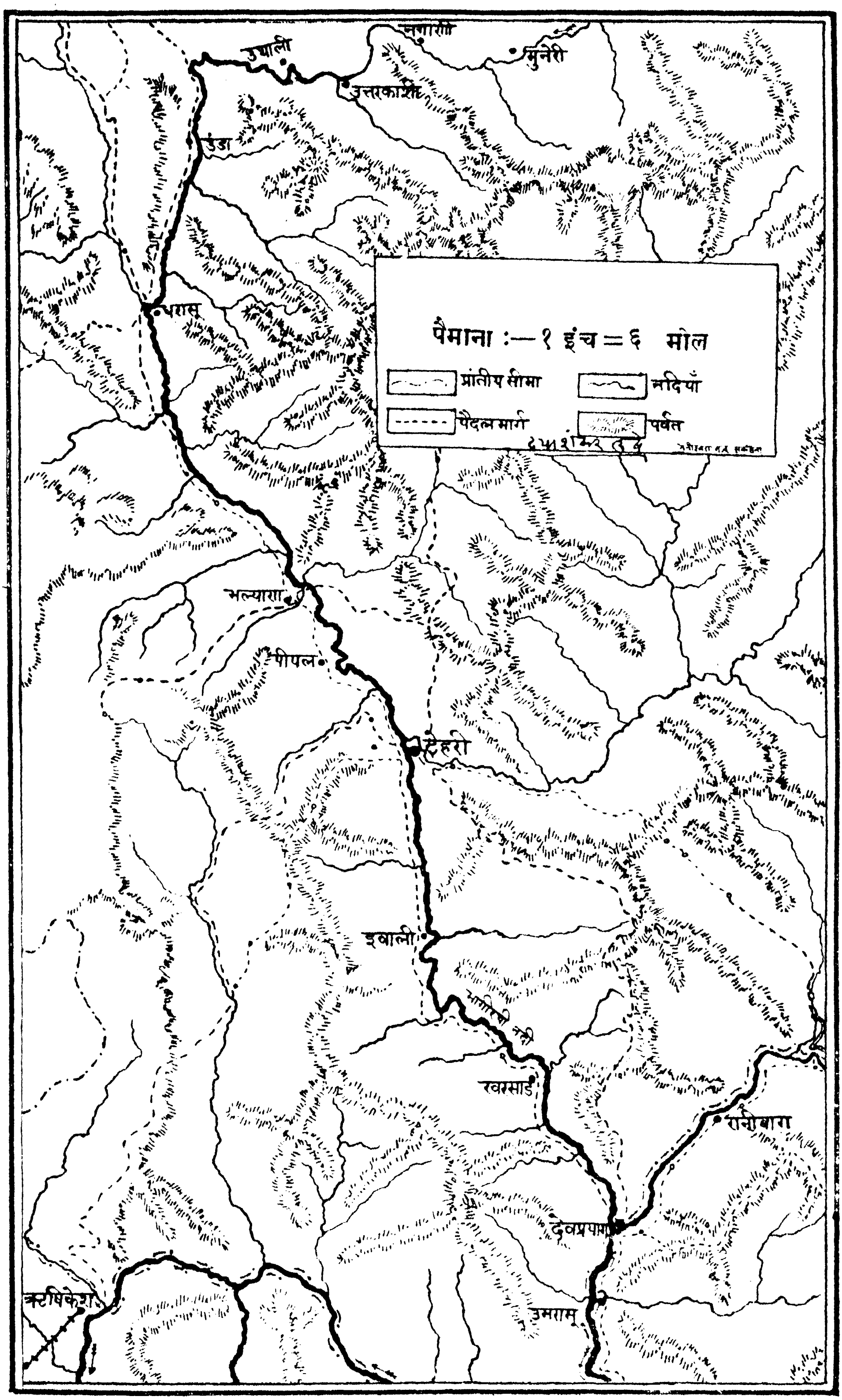
१—गौमुख से उत्तर काशी तक



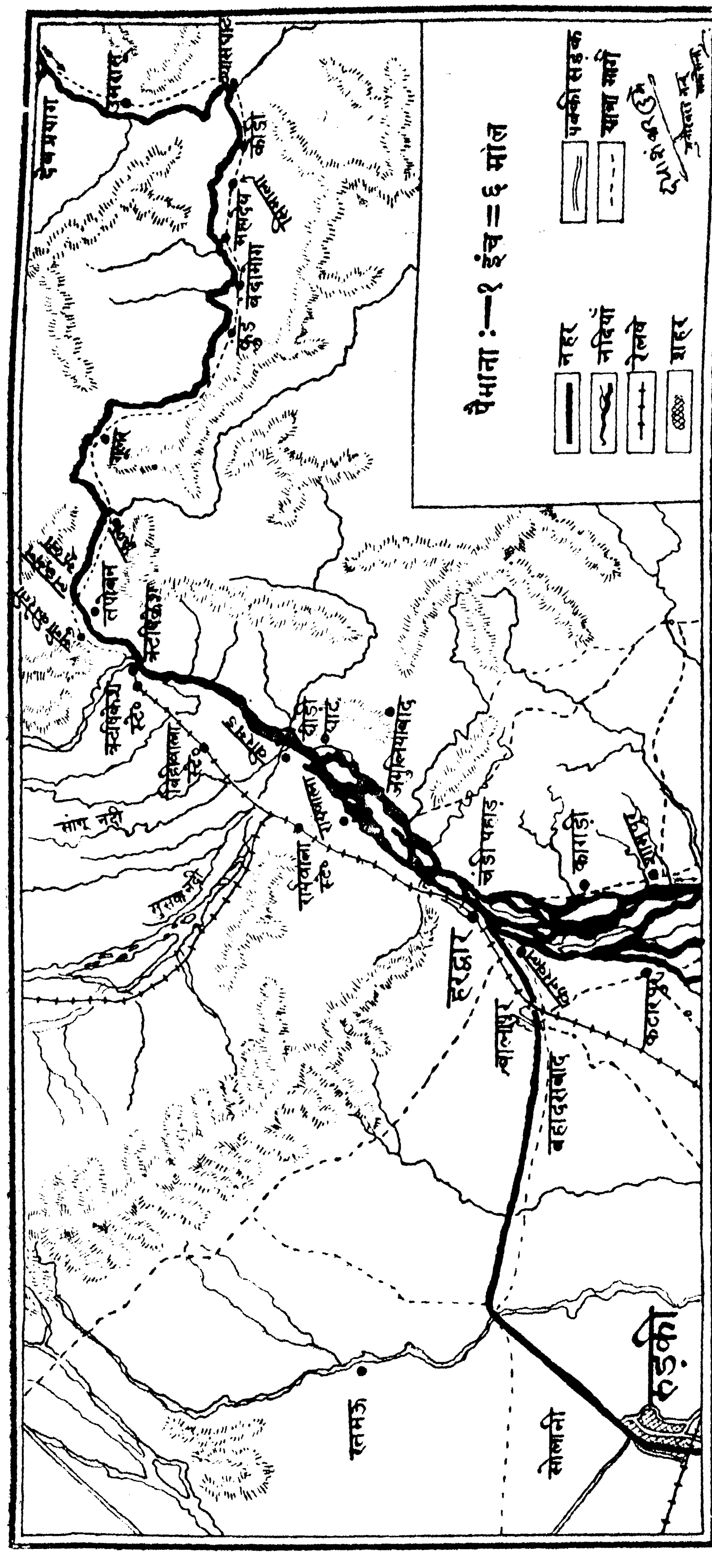
२—उत्तर काशी से देवप्रयाग तक



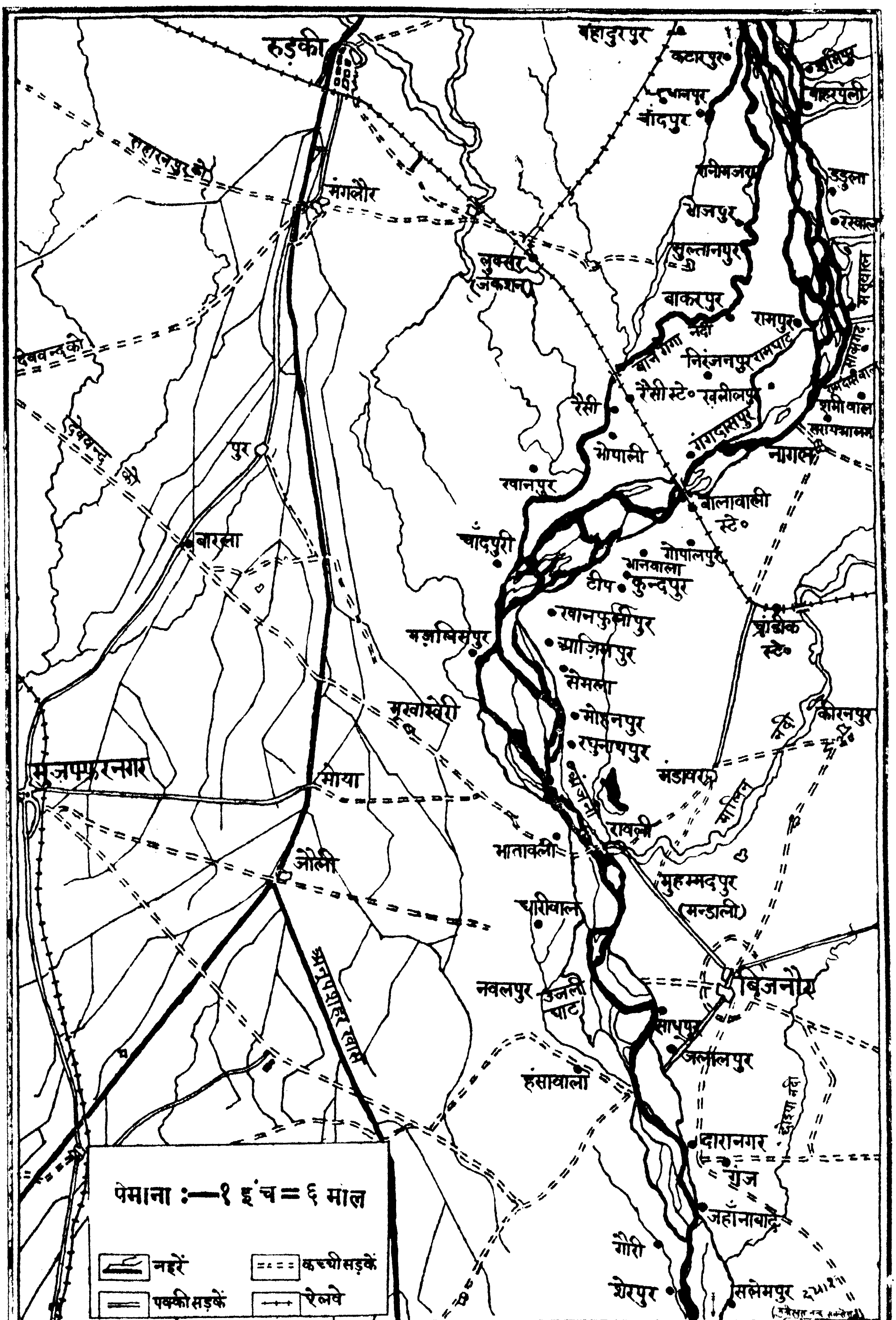
३—केदारनाथ से देवप्रयाग तक (केदारनाथ से रुद्रप्रयाग तक मन्दाकिनी, नागरासू से देवप्रयाग तक अलकनन्दा)



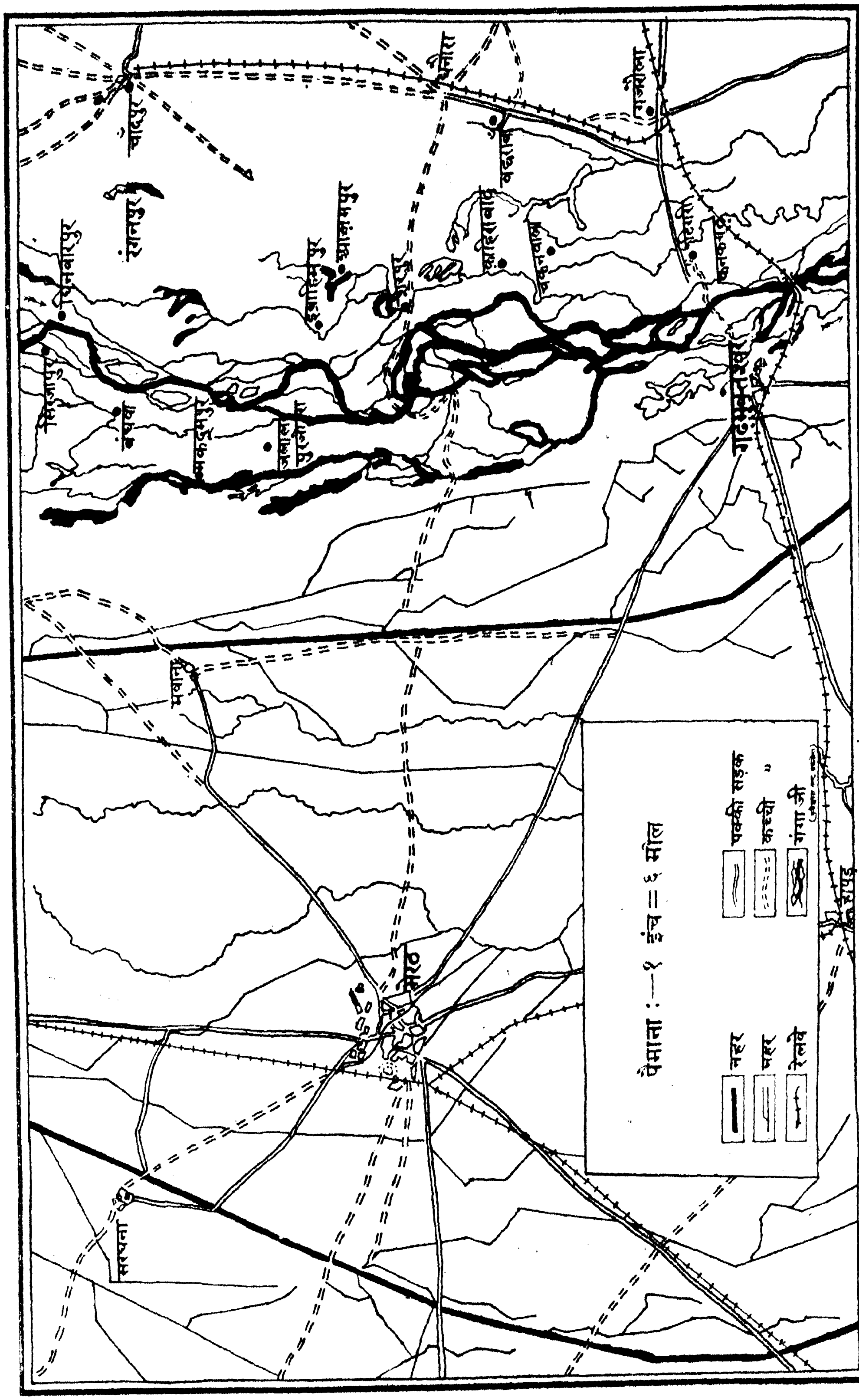
४—बद्रीनाथ से नागरासू तक (अलकनन्दा)



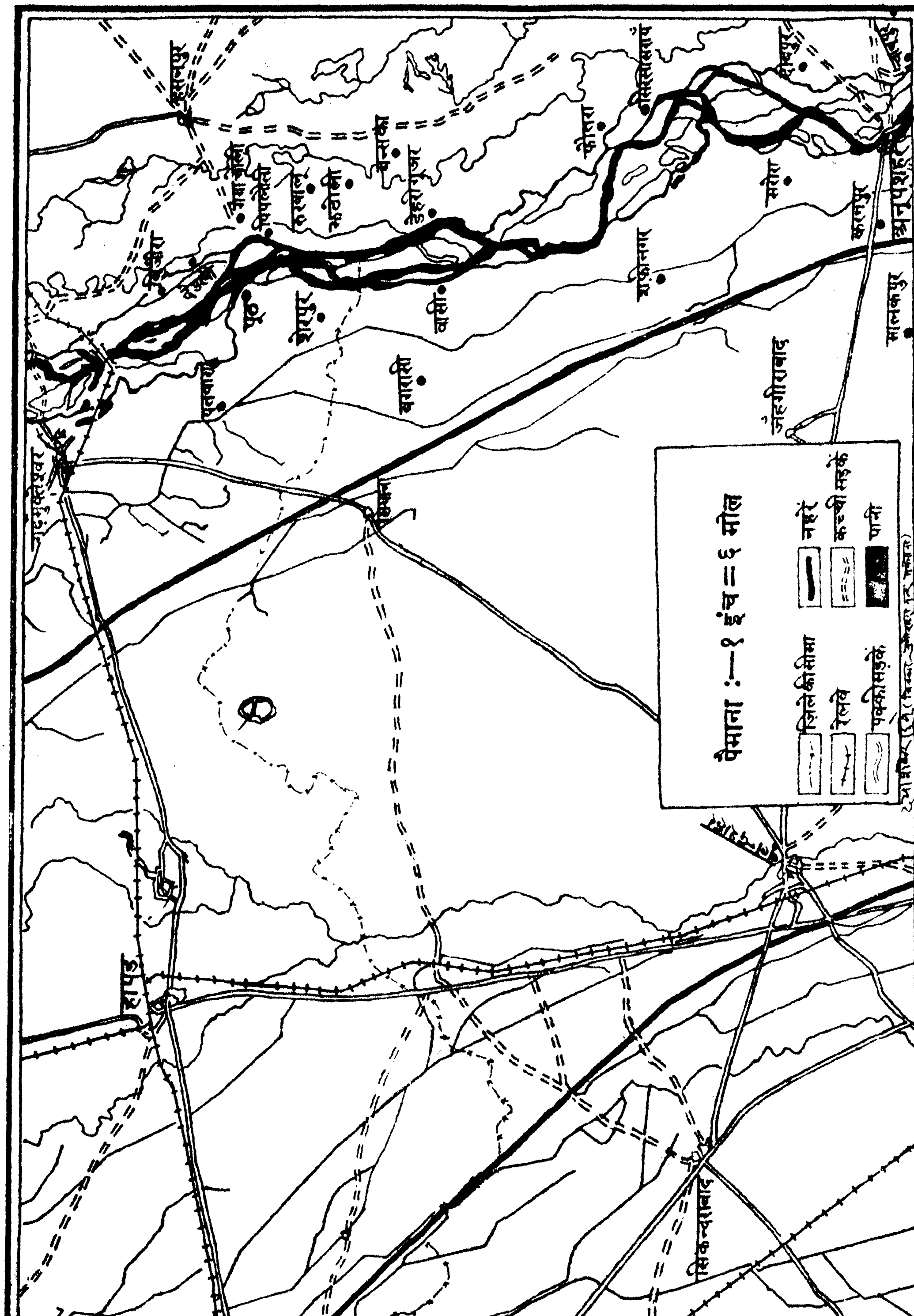
५—देवप्रयाग-हरिद्वार-रुड़की



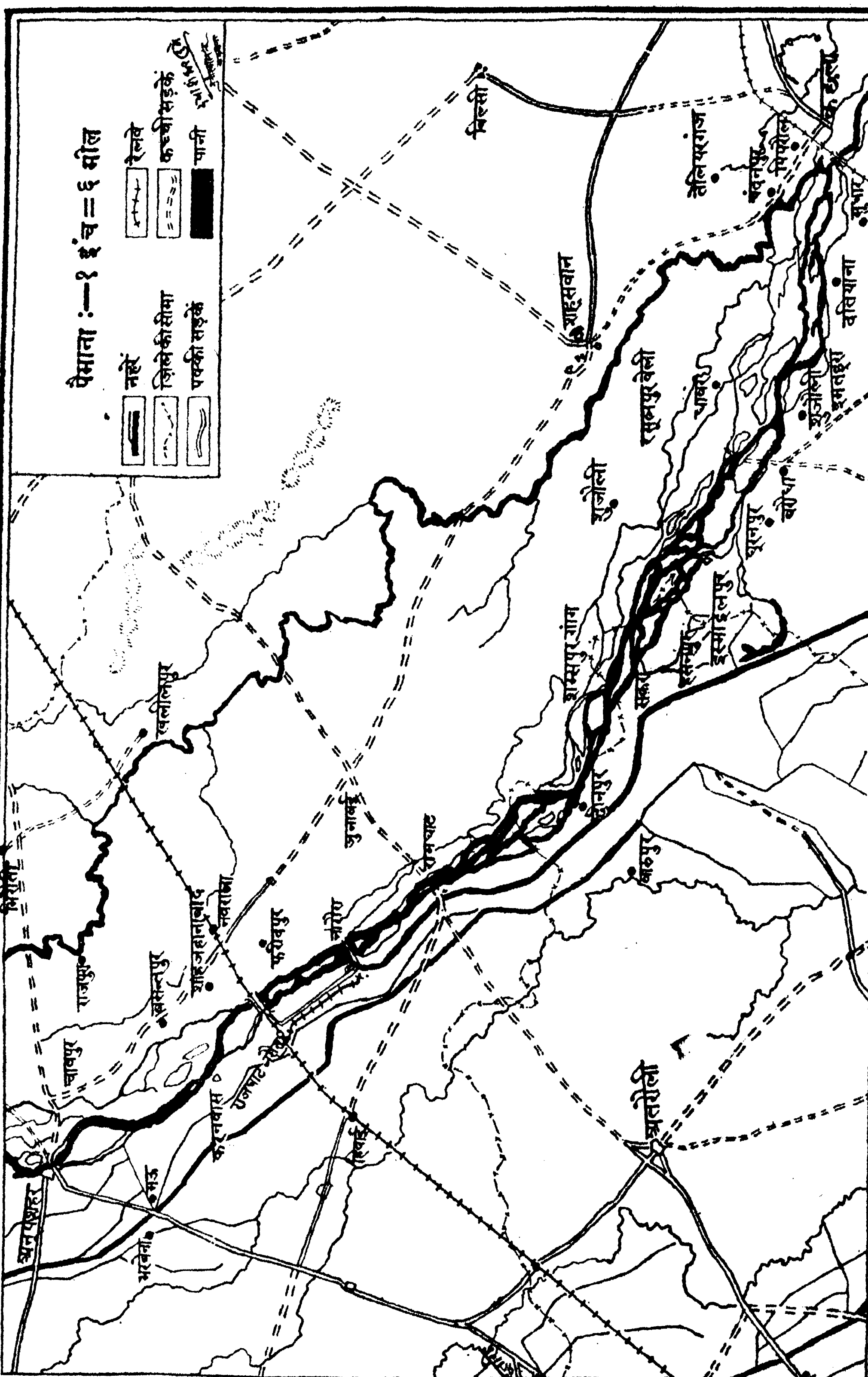
६—रुड़की-बिजनौर-मुज़फ्फरनगर



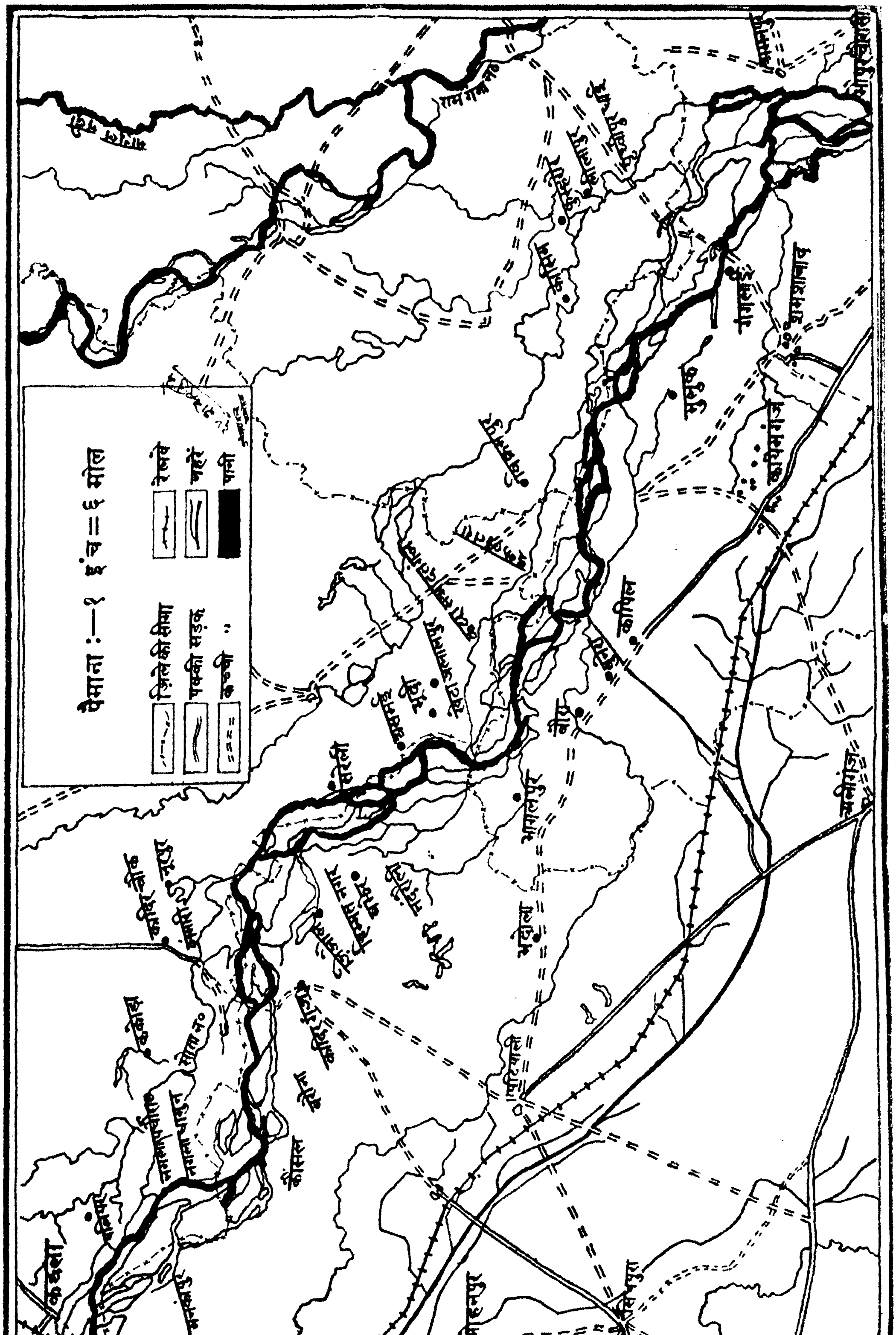
७—मेरठ-गढ़मुक्तेश्वर



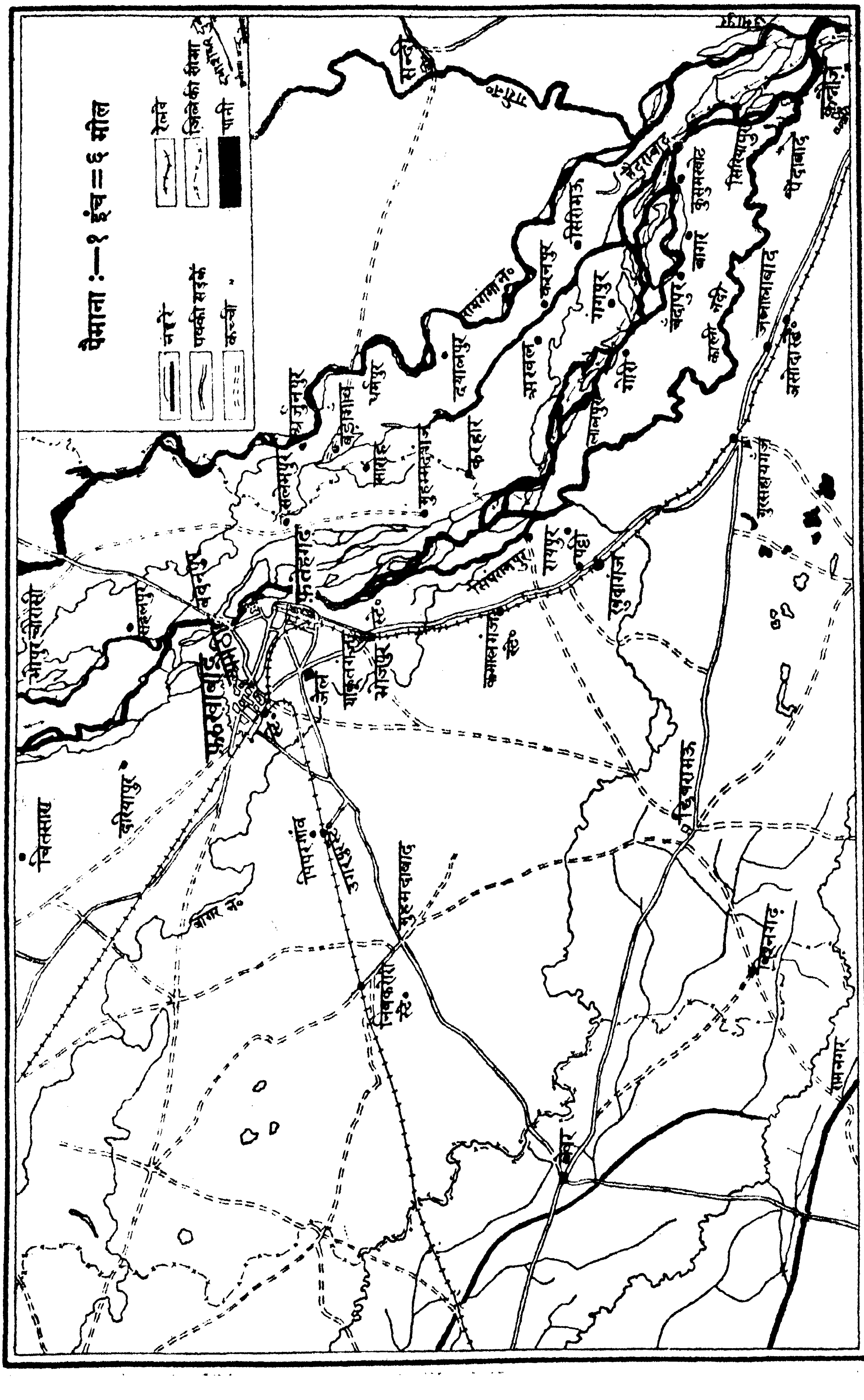
८—गढ़मुक्तेश्वर से अनूपशहर तक



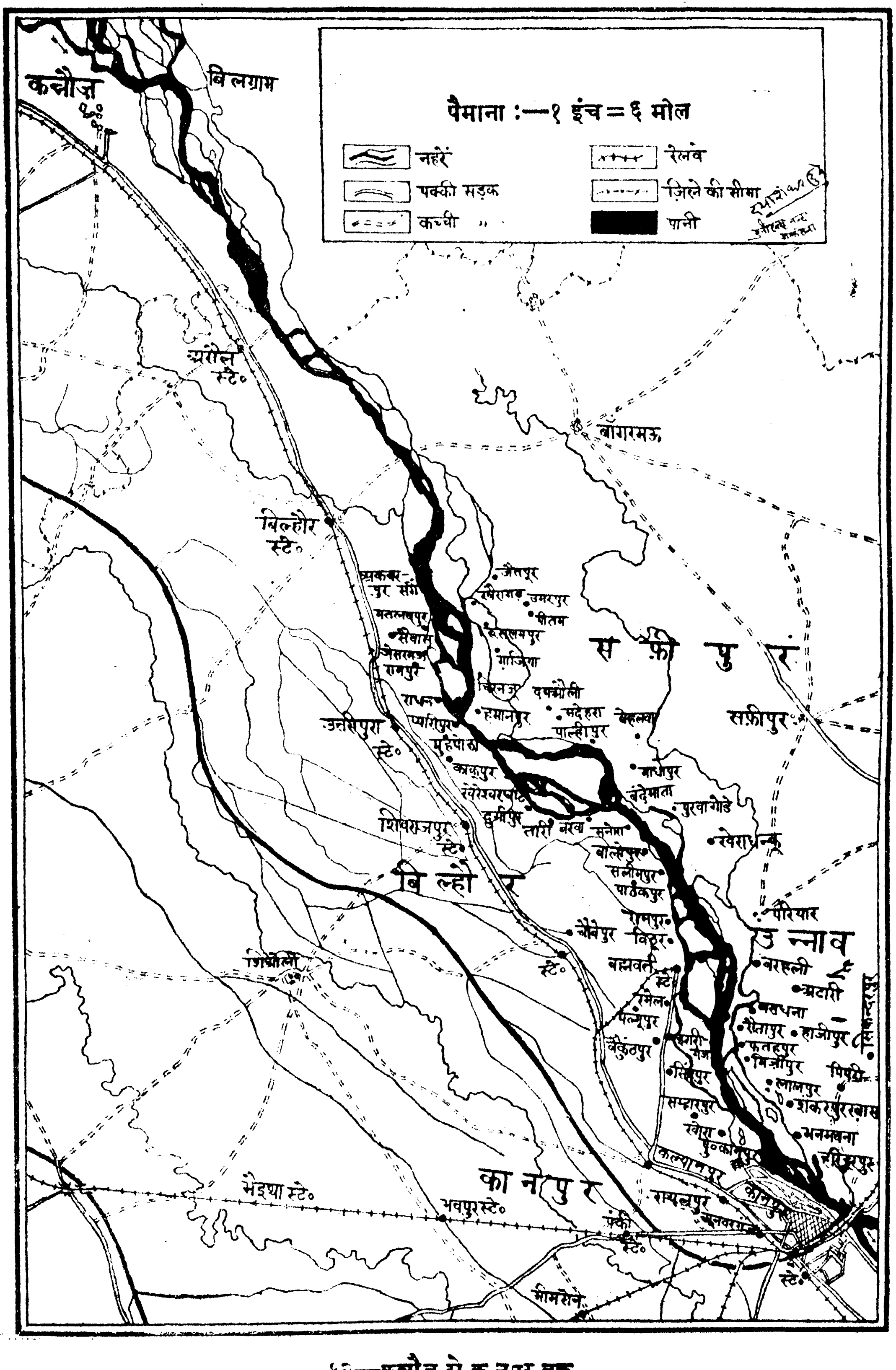
९—अनूपशहर से कछला तक



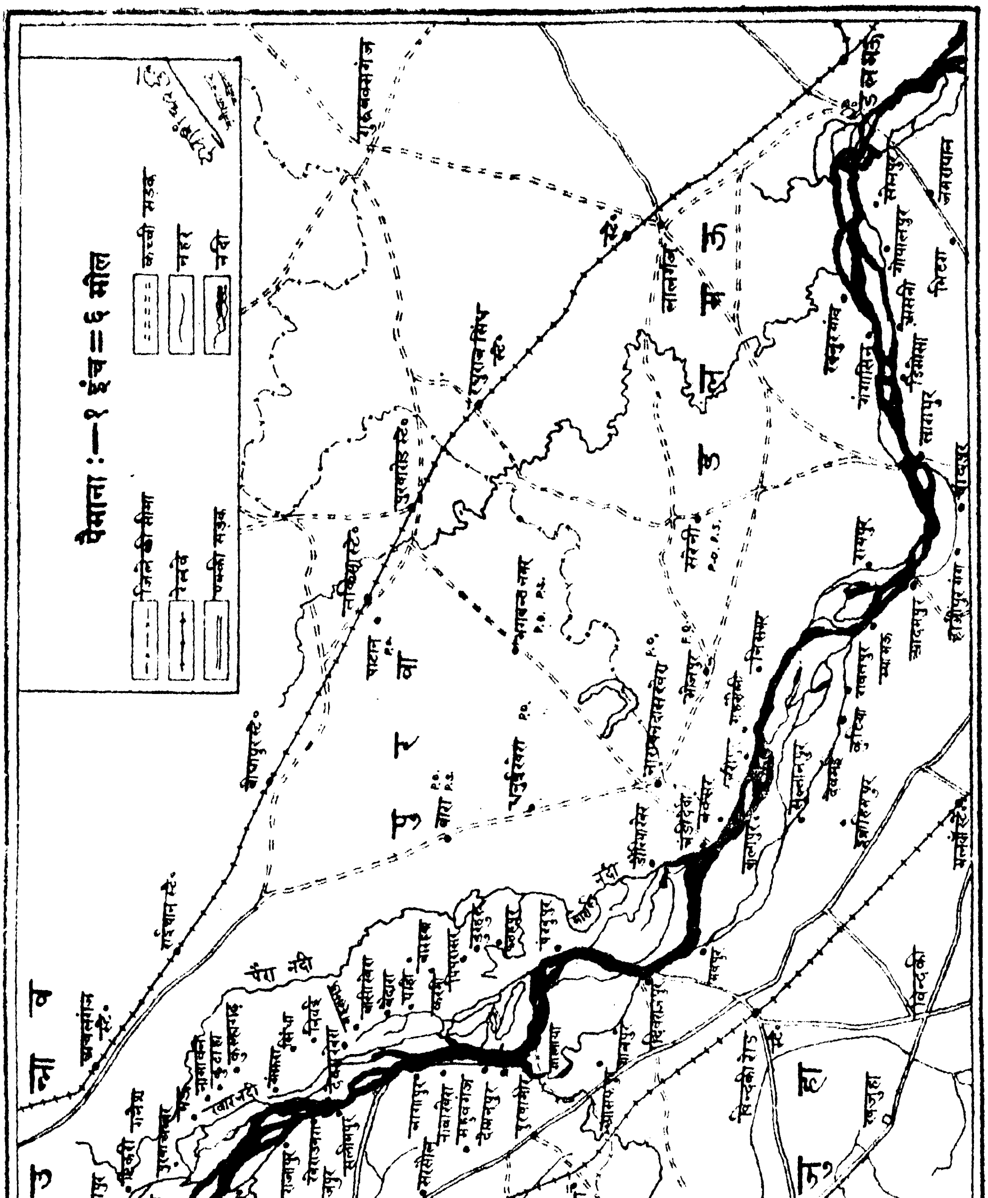
१०—कछला से मौअर चौरासी तक



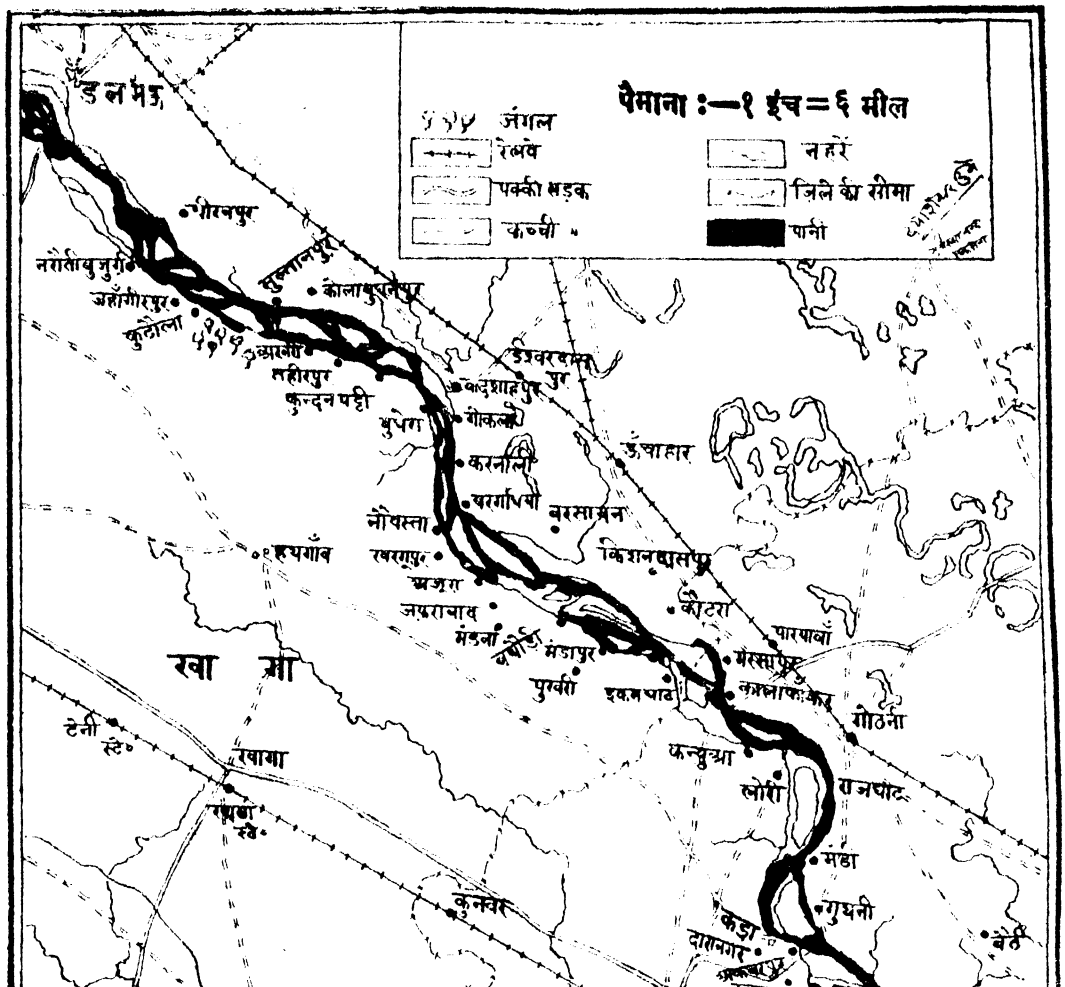
११—भौपूर चौरासी से कन्नौज तक



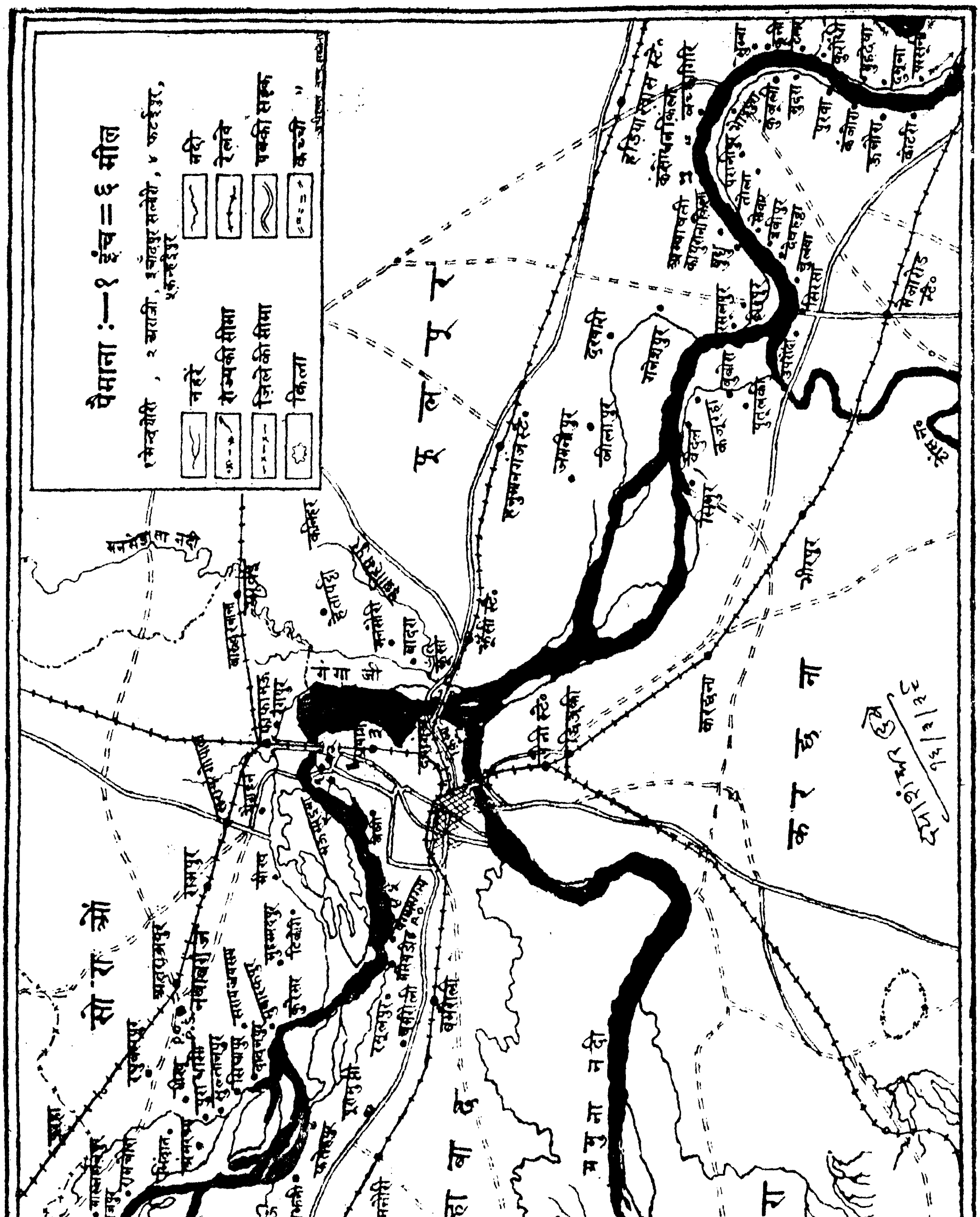
१२—कन्नौज से कानपुर तक



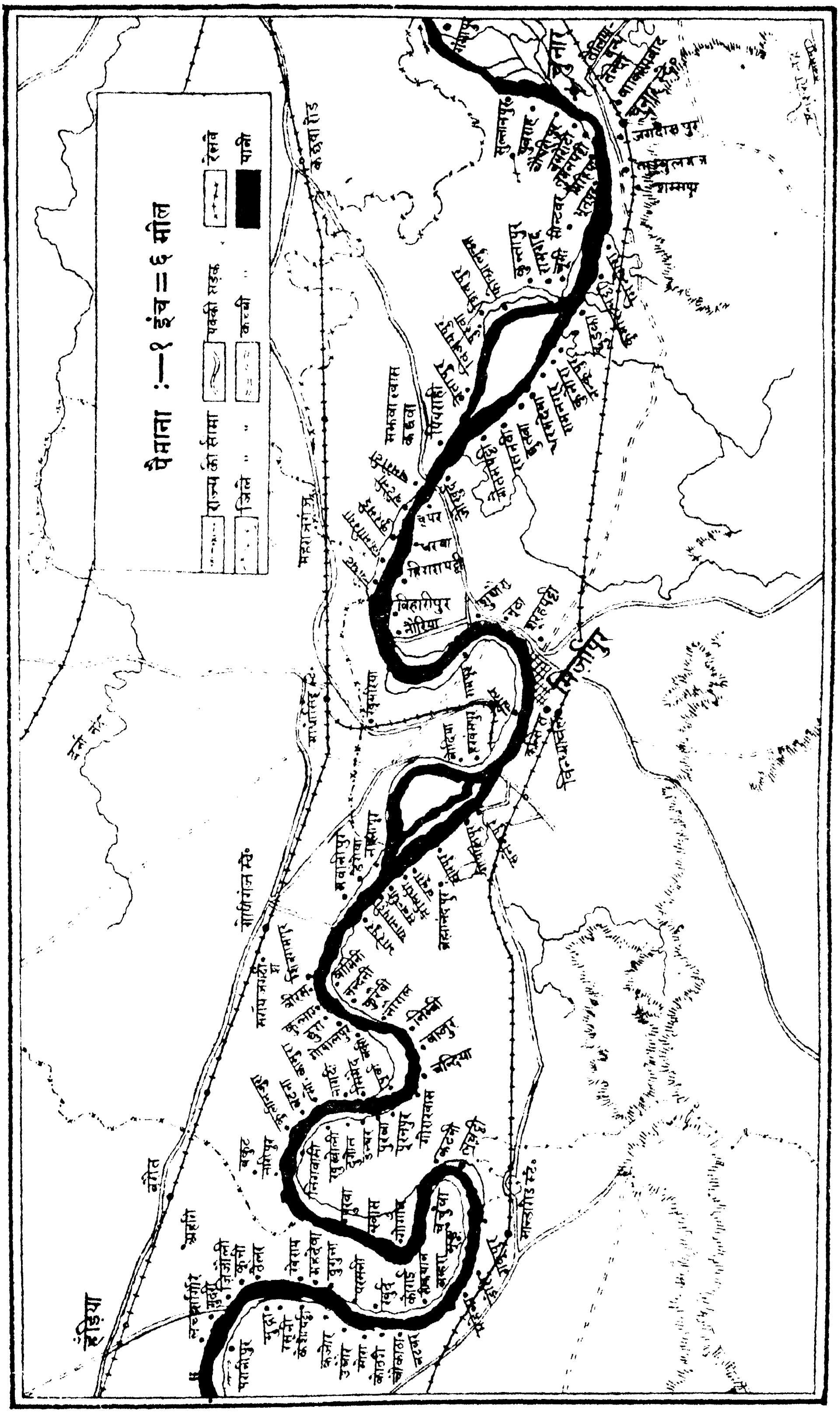
१३—कानपुर से डालामऊ तक



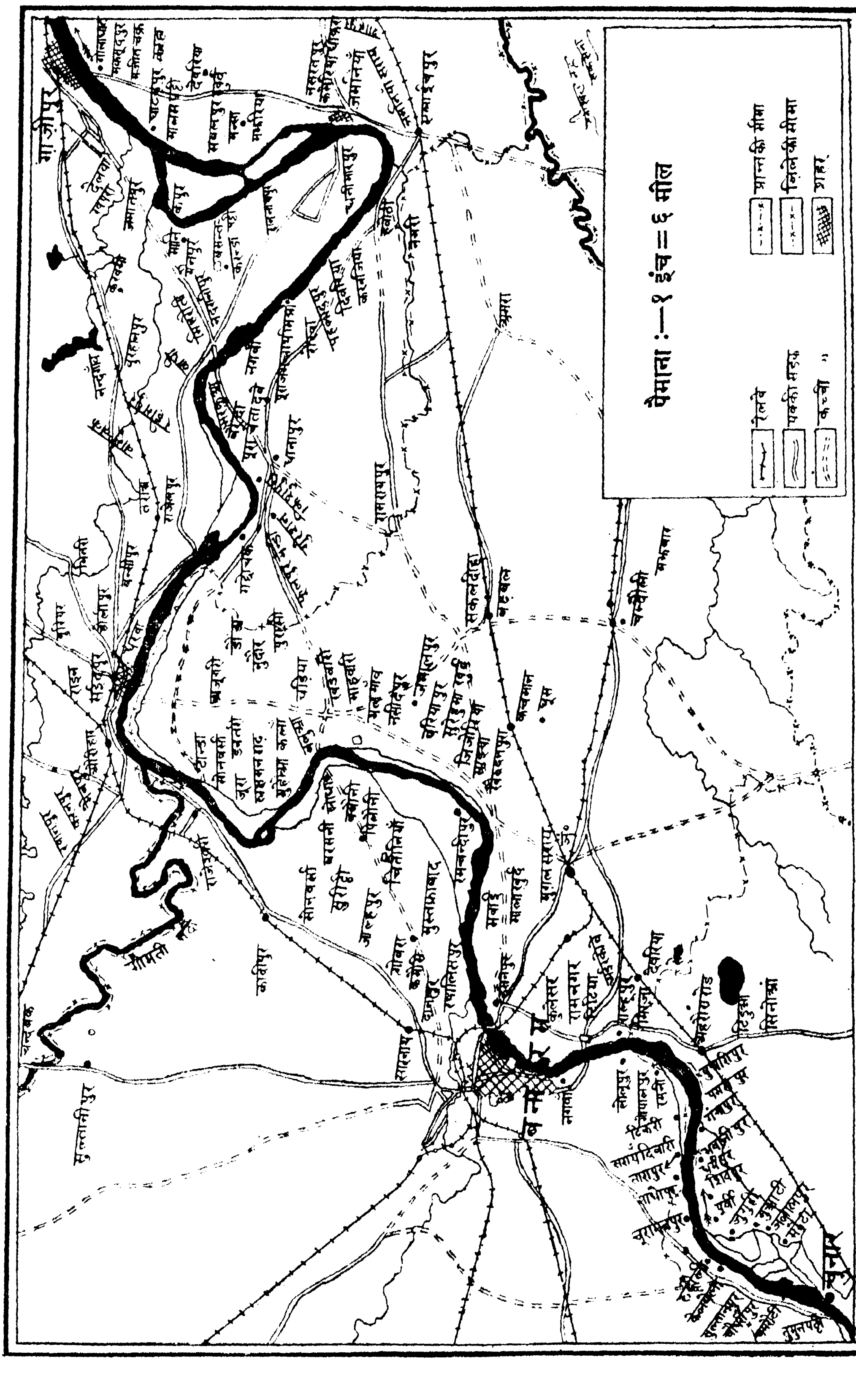
१४—डालामऊ से सँजैतीघाट (जिला इलाहाबाद)



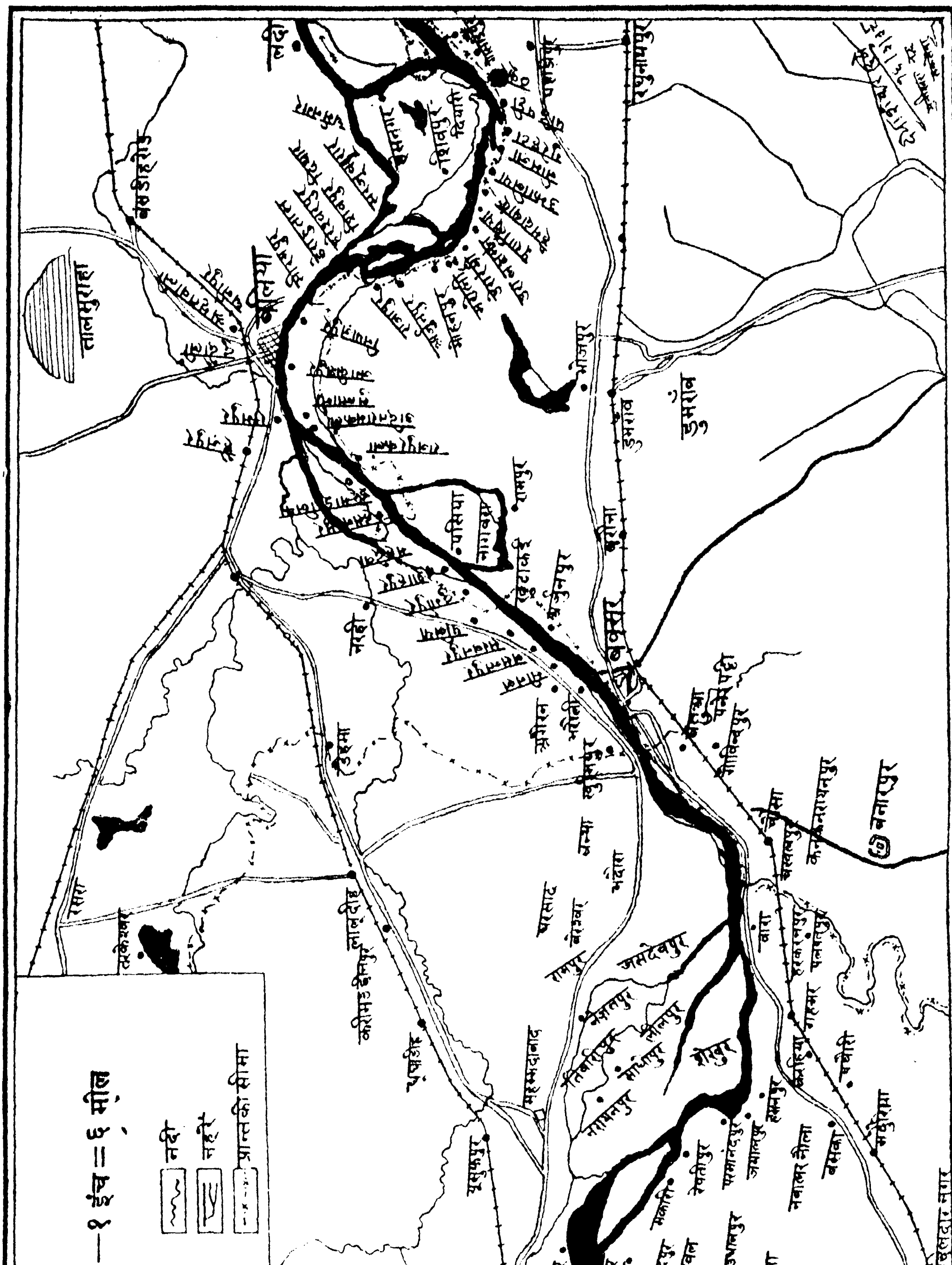
१५—इलाहाबाद सैंजेतीघाट से छुसौंघम किले तक



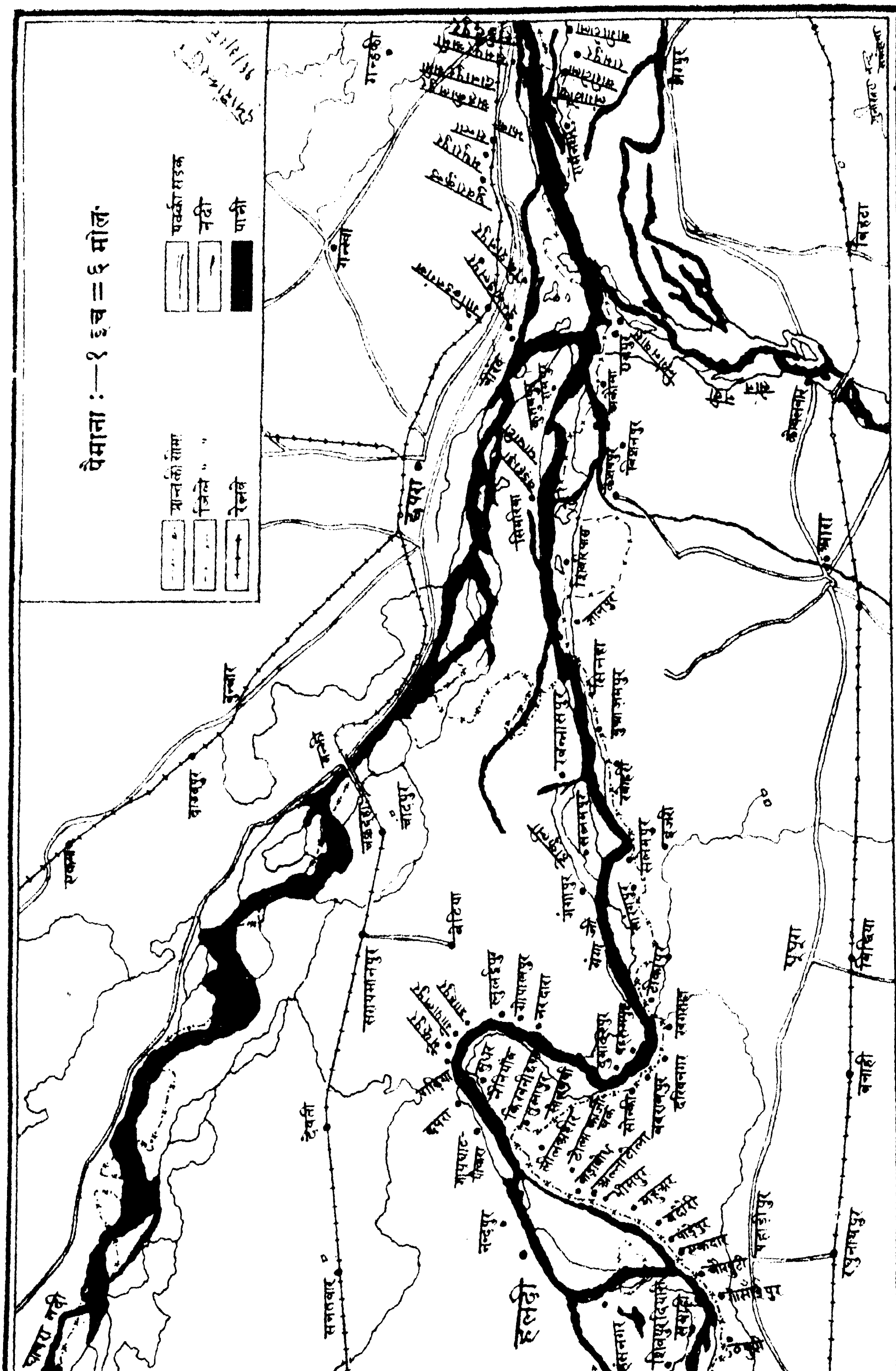
९:—कुसौंधम किले से चुनार किले तक·



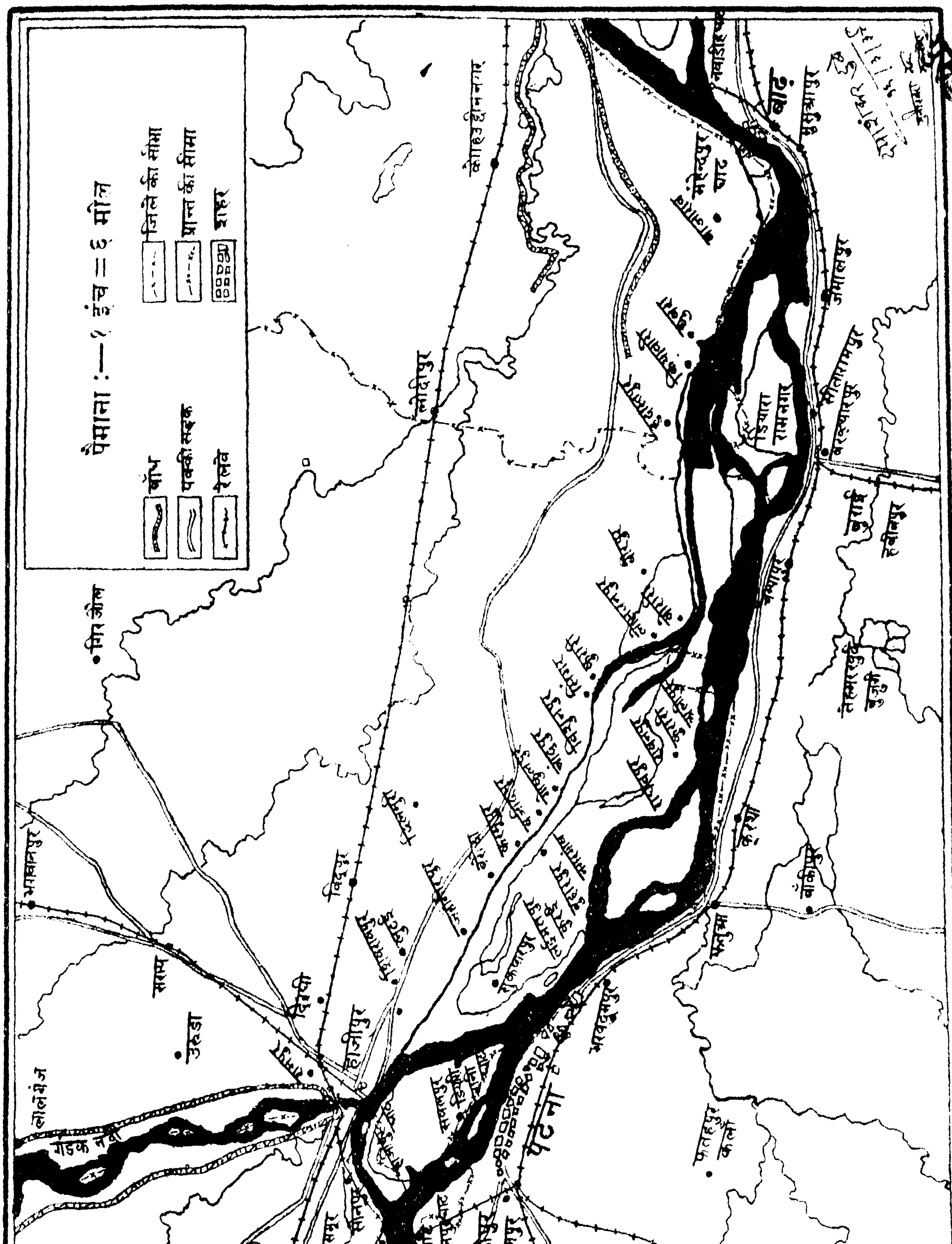
१७—चुनार से गाजीपुर तक



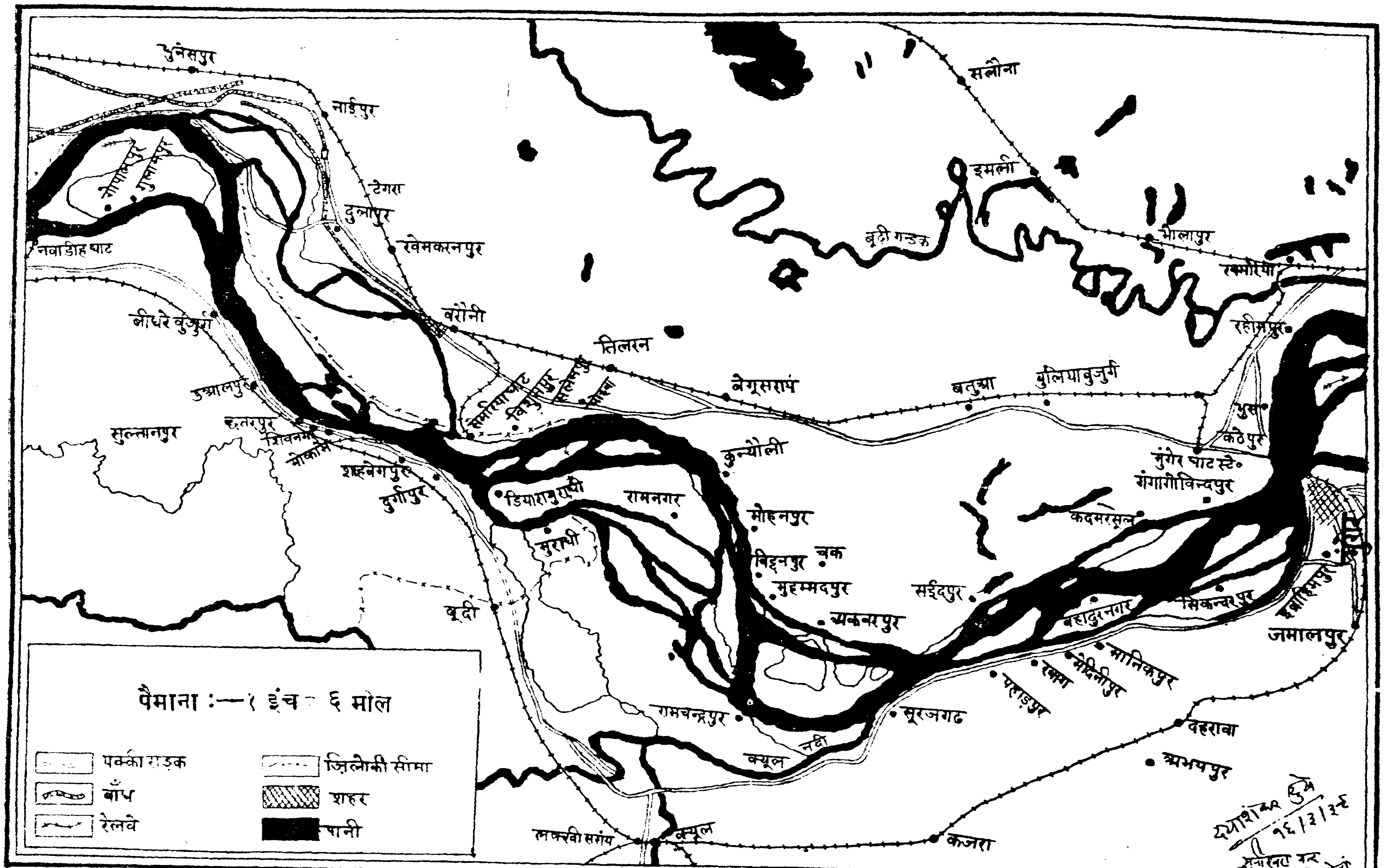
१८—गाजीपुर से इलाही तक



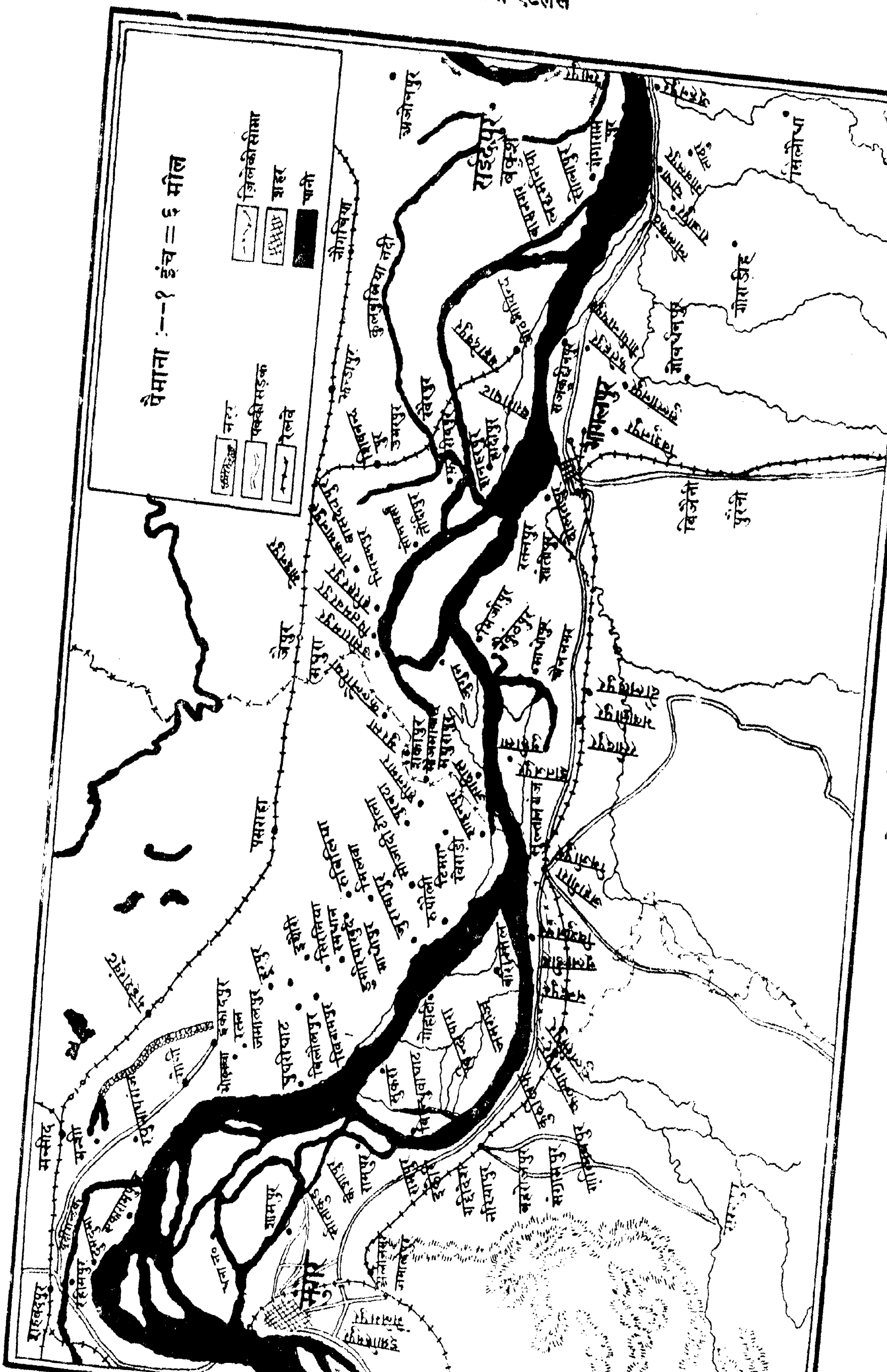
१९—हलदी से सैयदपुर तक



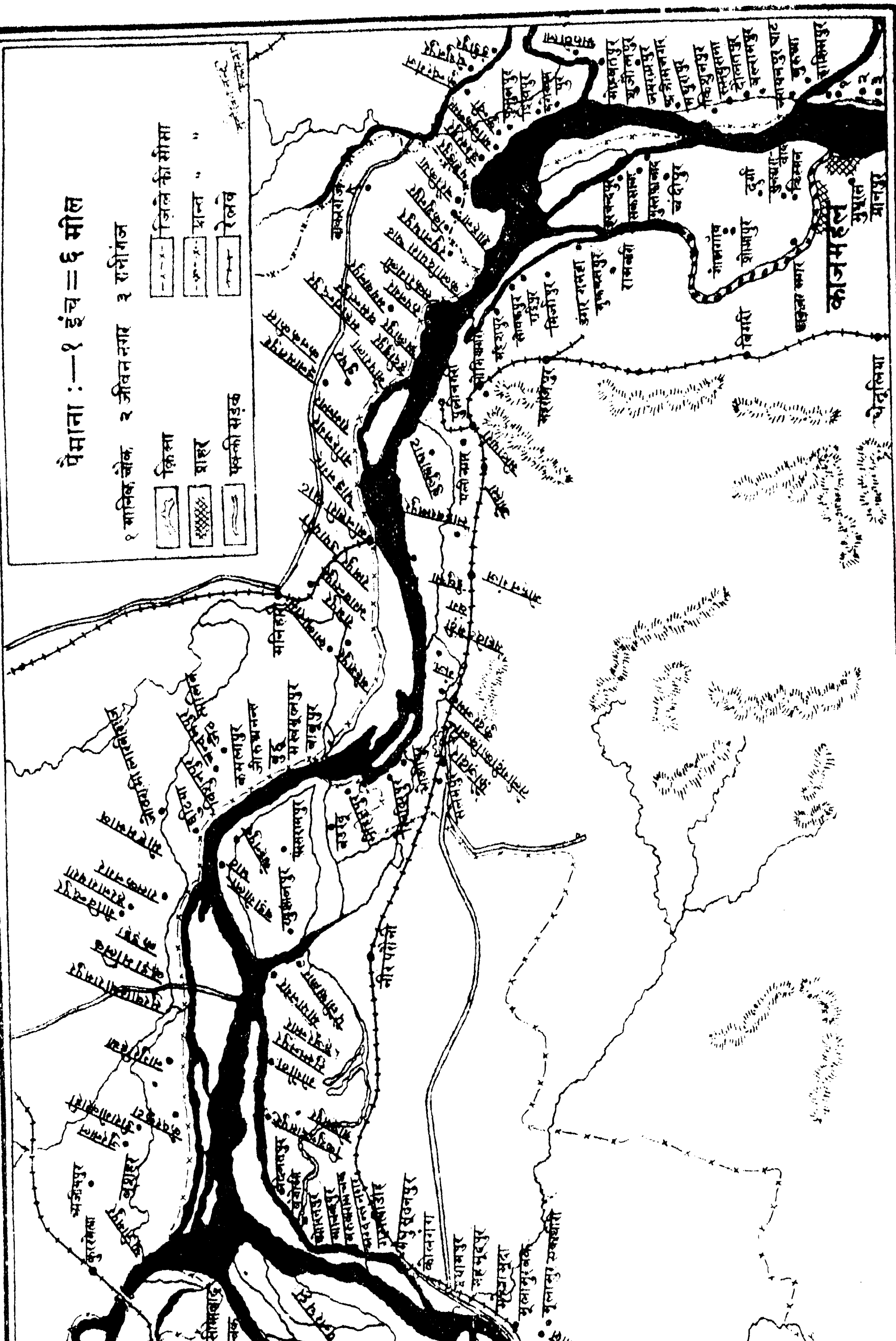
२१—सैयदपुर से नवडीह घाट तक



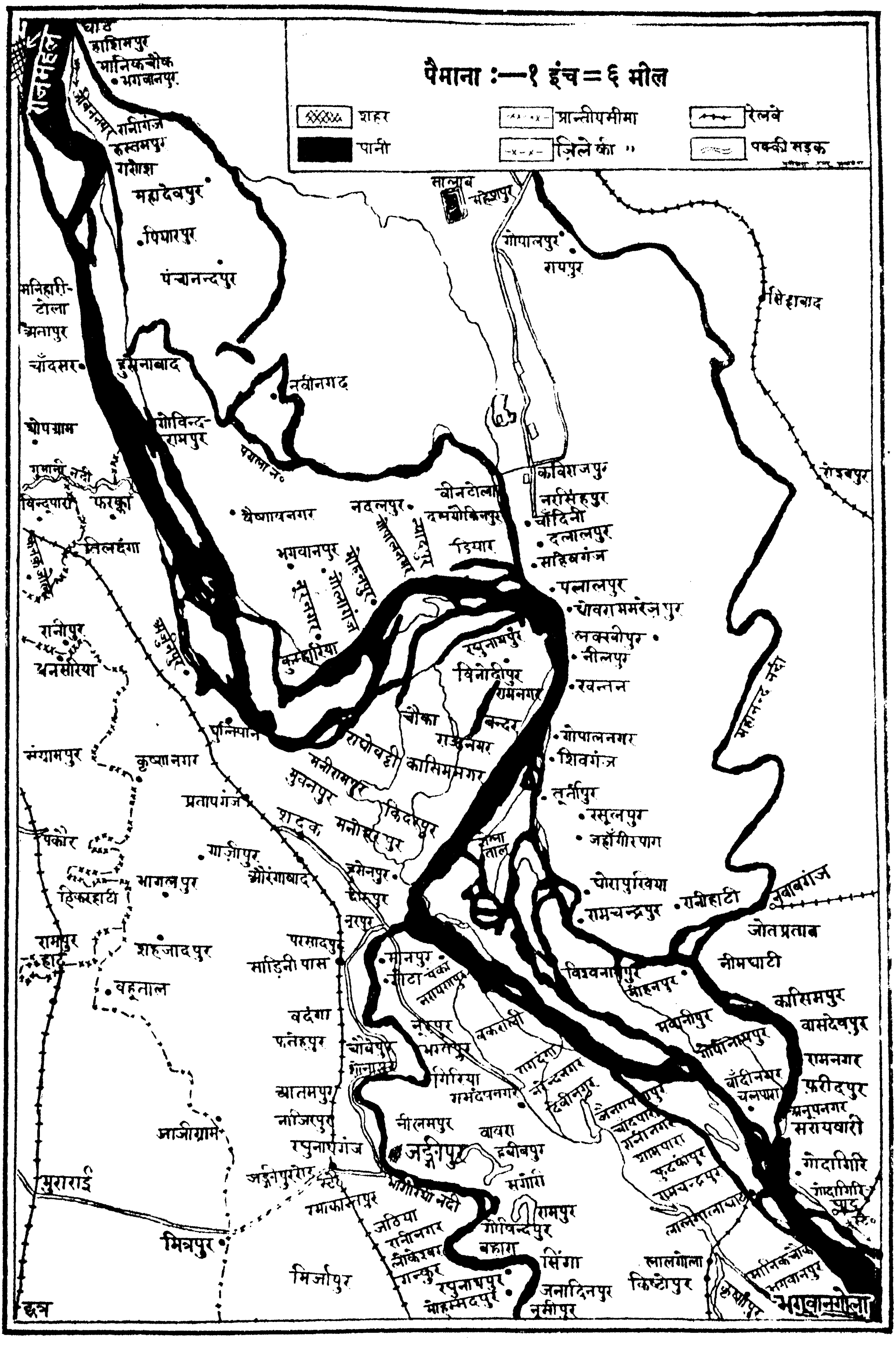
२२—नवडोहघाट से मुँगेर तक



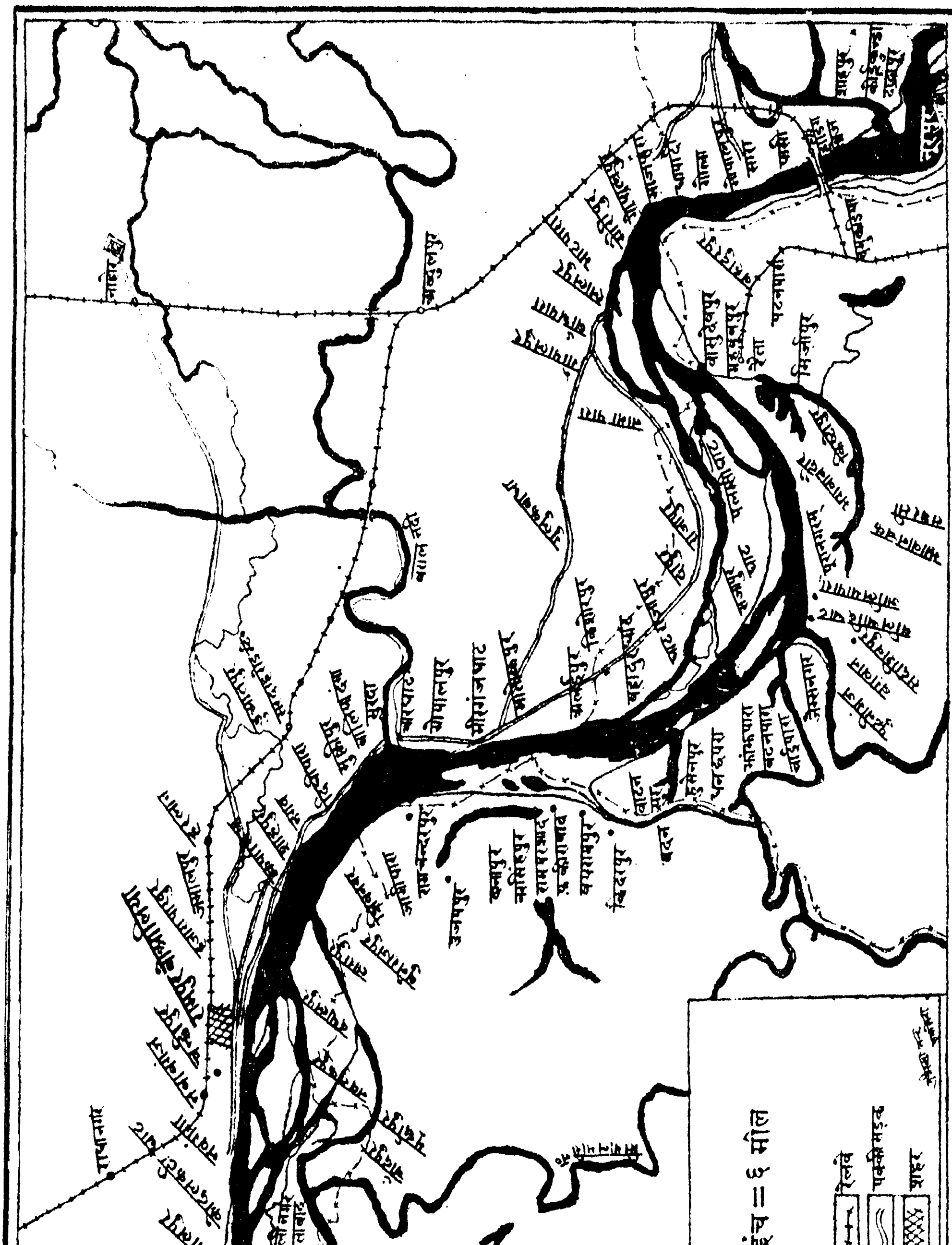
३—मुंगेर से सैयदपुर नक्शा तक



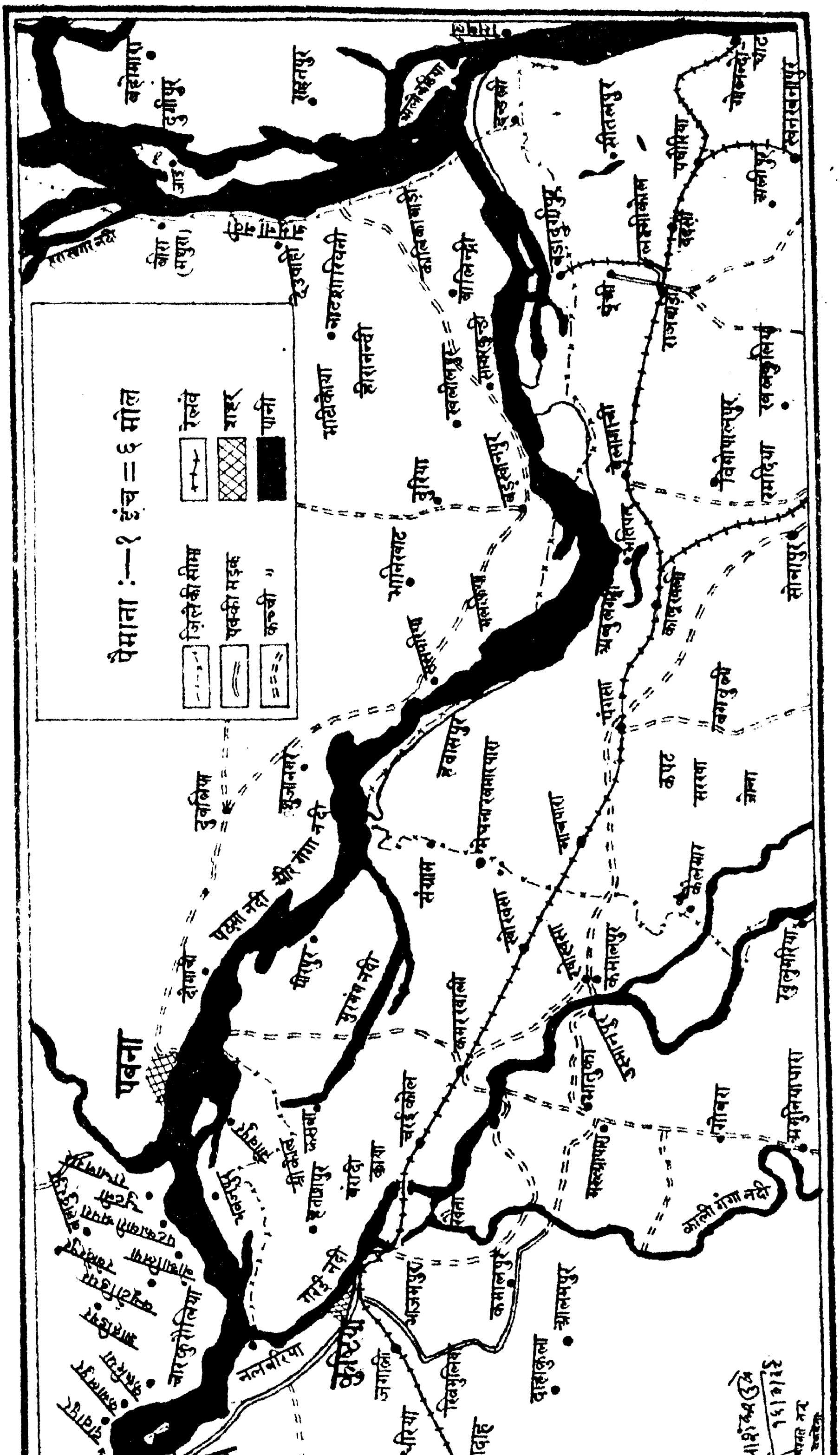
२४—सैयदपुर से राजमहल तक



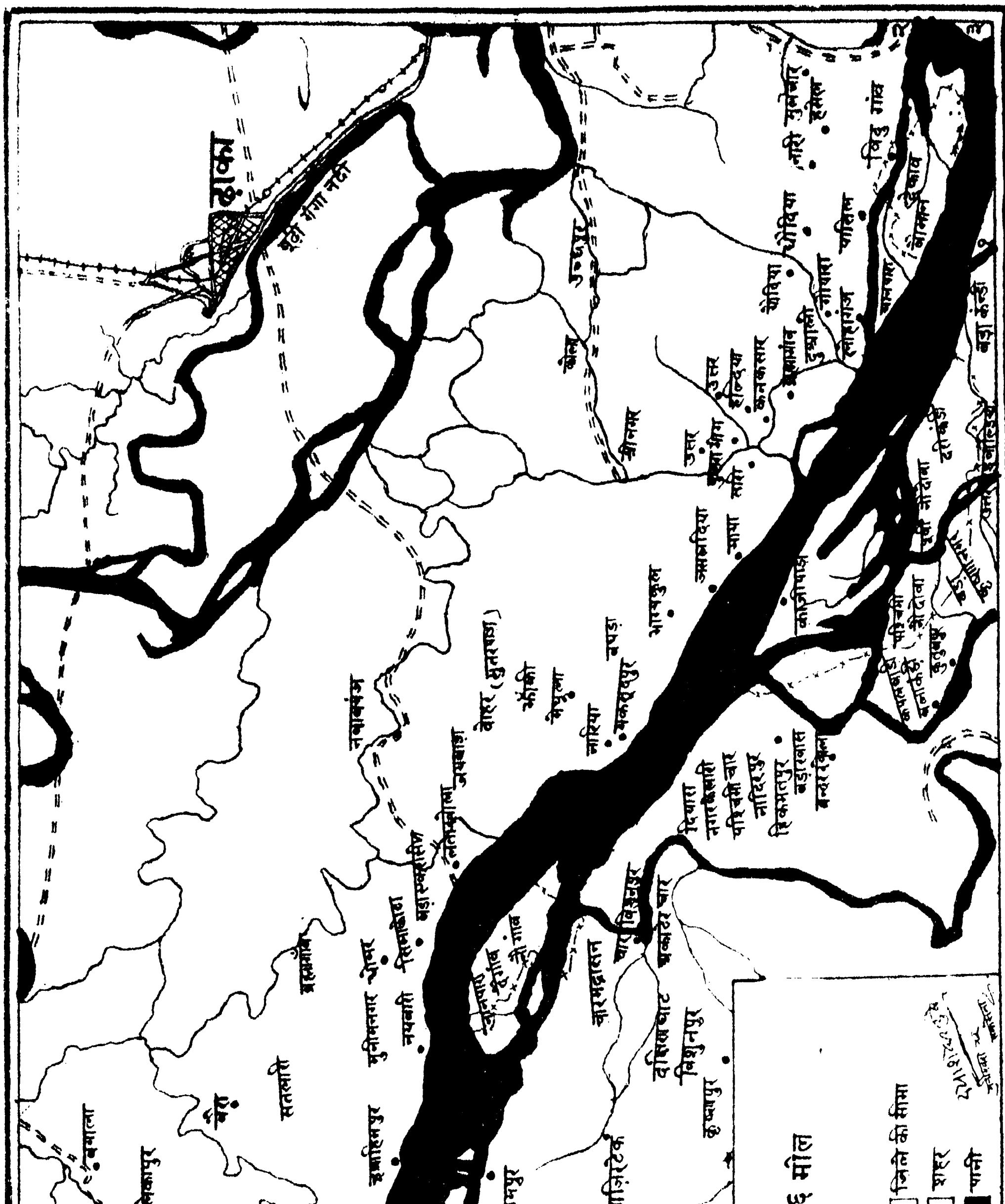
२५—राजमहल भगवानगोला तक



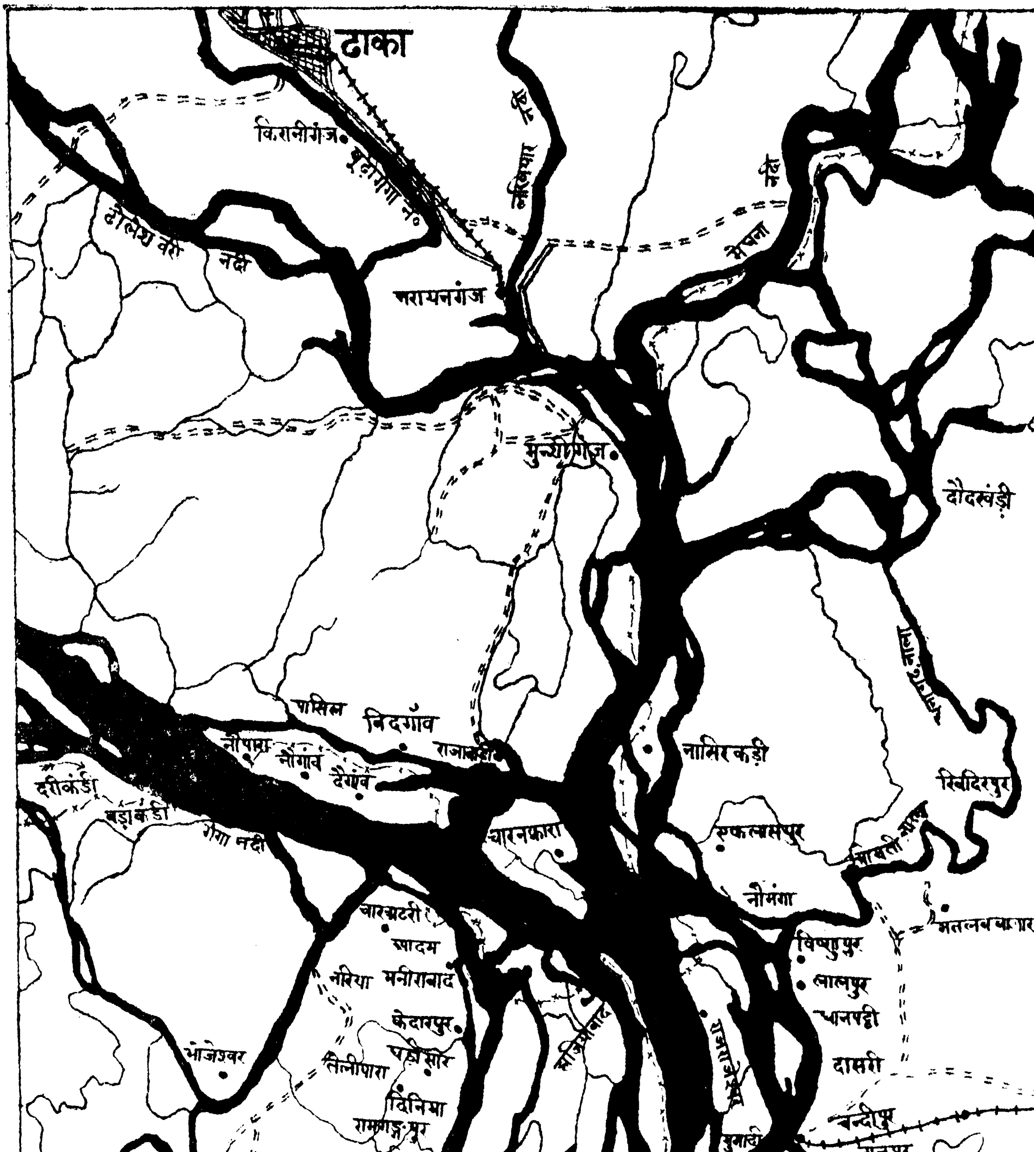
२६—भगवान गोला से नूरपुर तक



२८—नूरपुर से सिबले तक



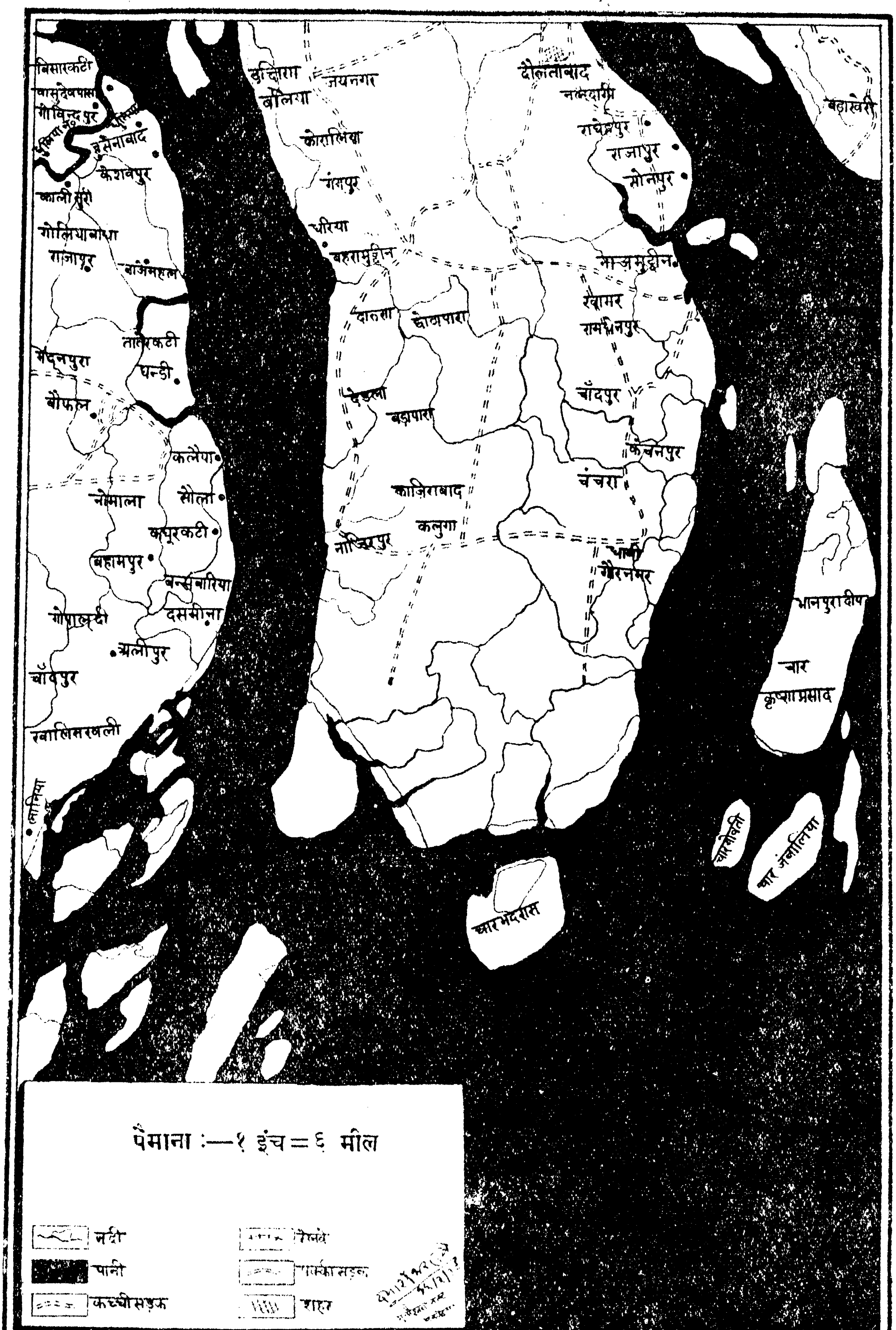
२८—सिबले से मुन्शीगंज (तहसील) तक



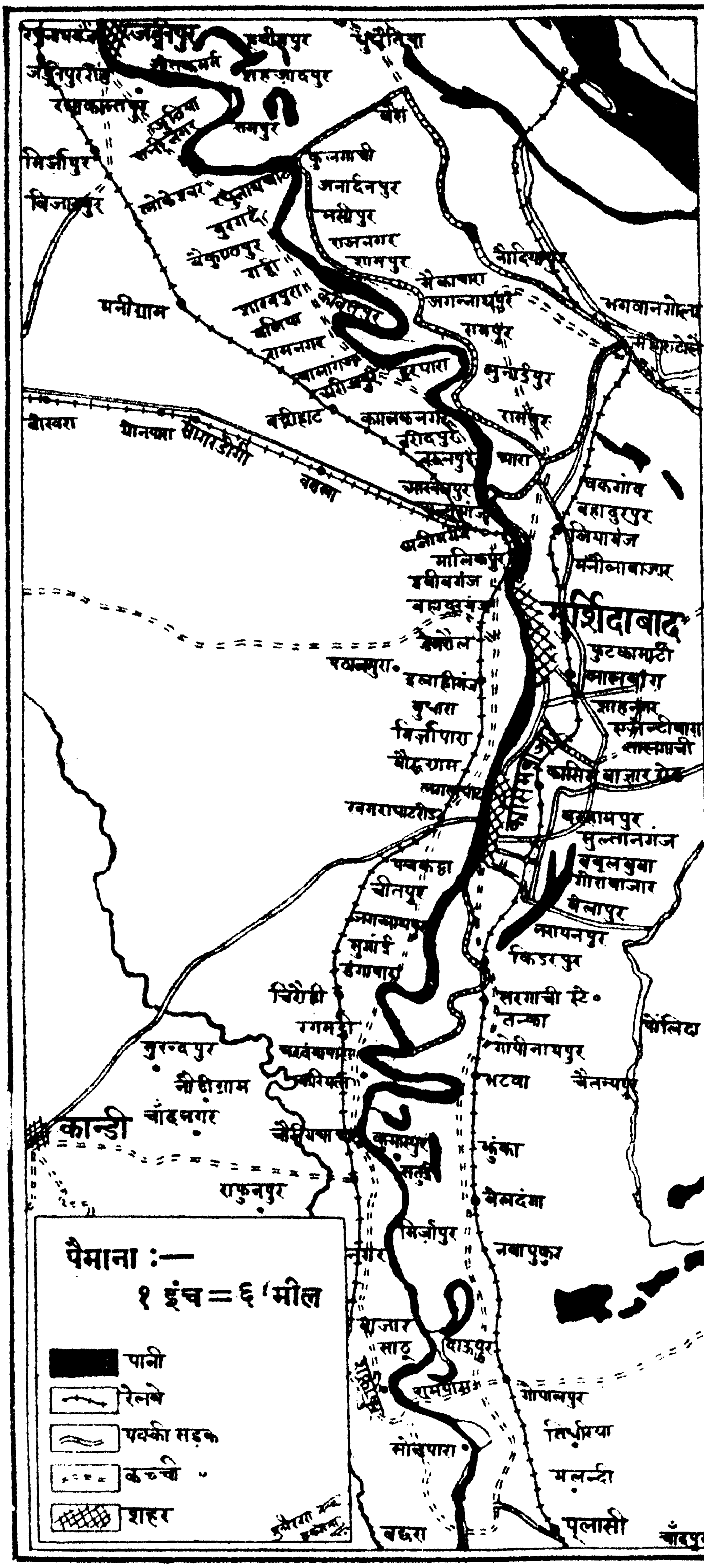
२९—गंगा, मेघना, ढालेश्वरी, बूढ़ी गंगा, और गोमती के संगम



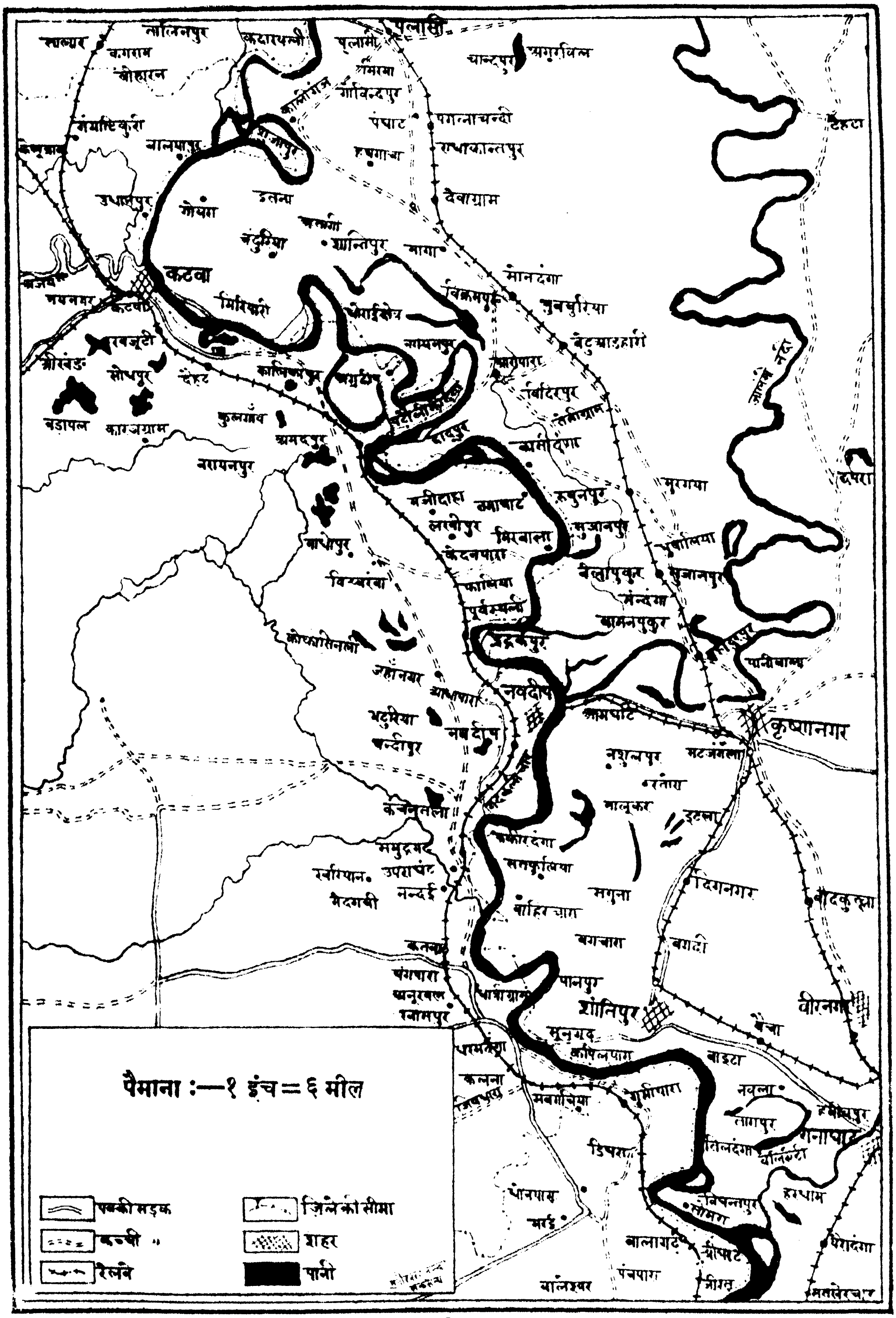
३०—गंगापूर से खानेहपूर तक



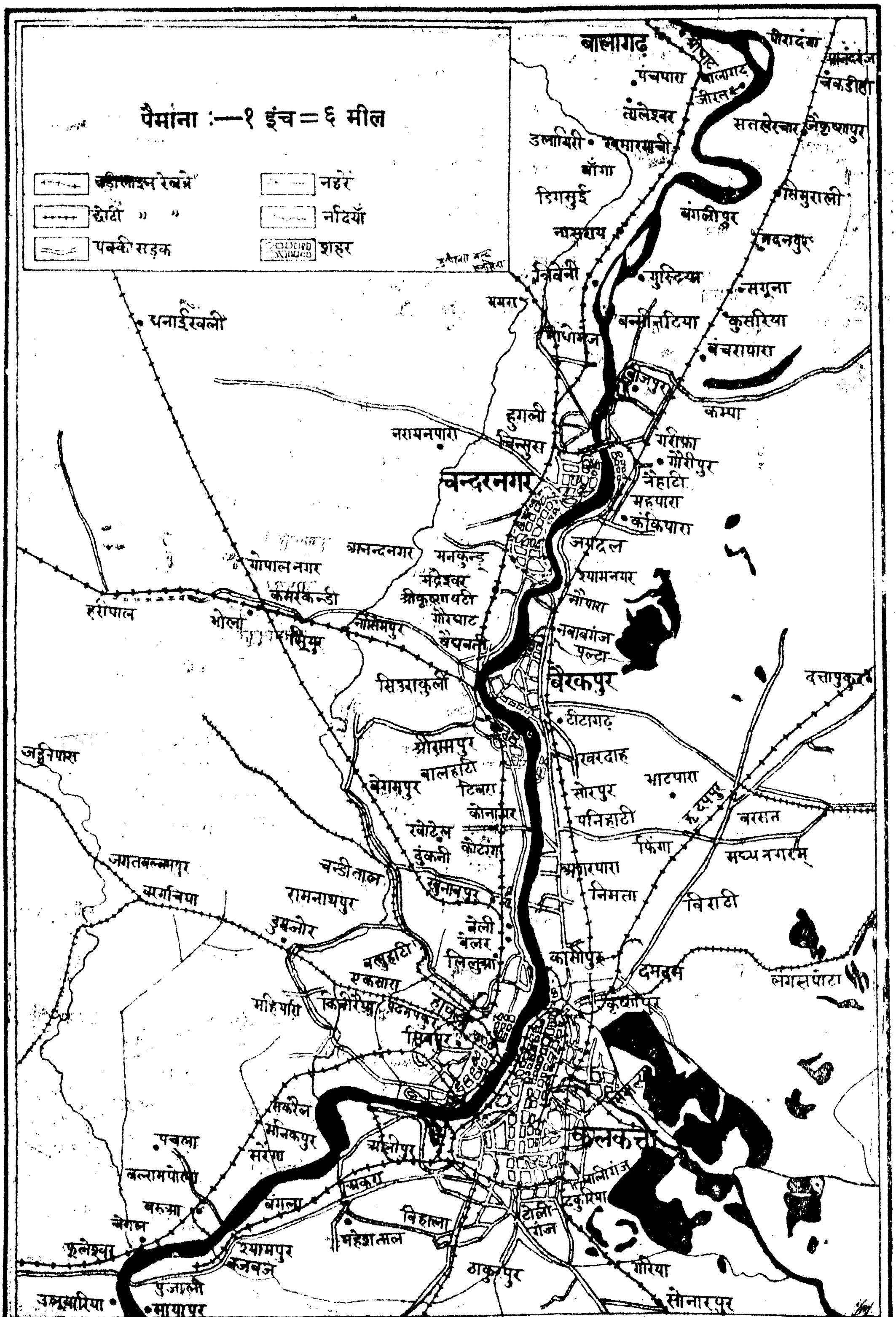
३१—वानेहपूर से बंगाल की खाड़ी तक



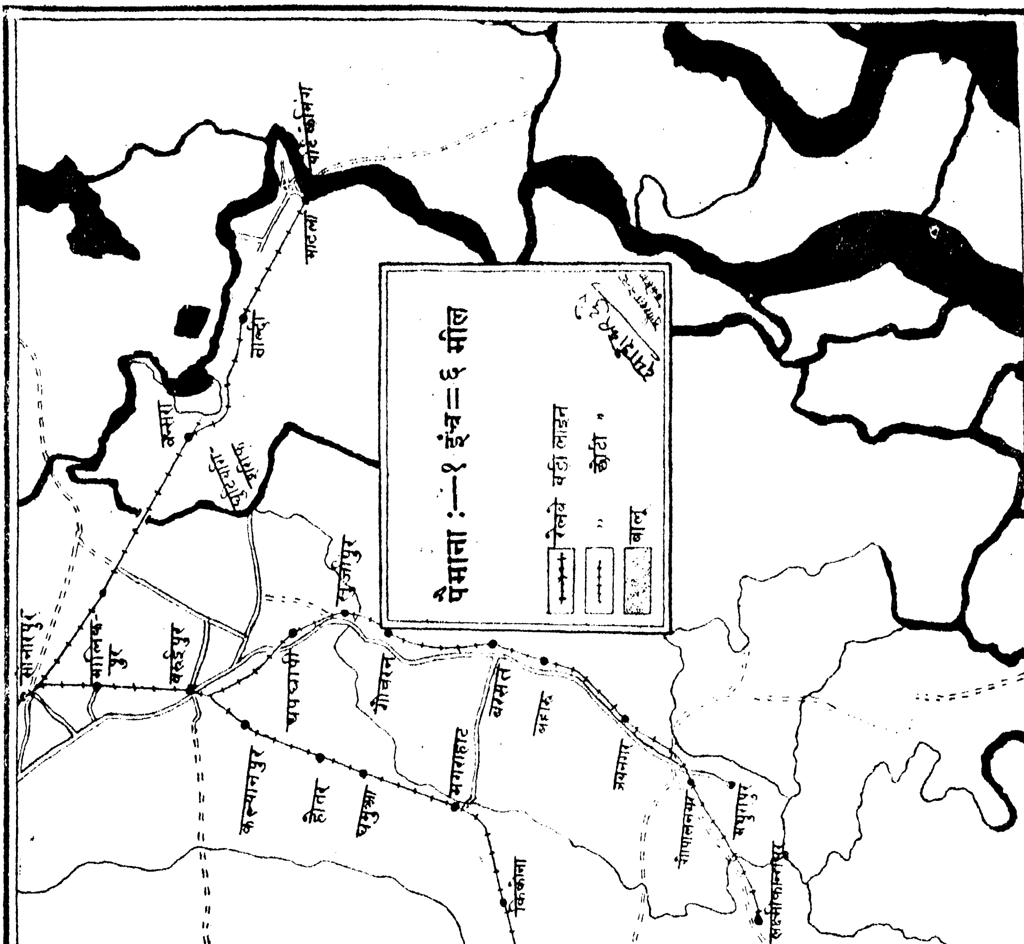
जङ्गीपुर से प्लासी तक



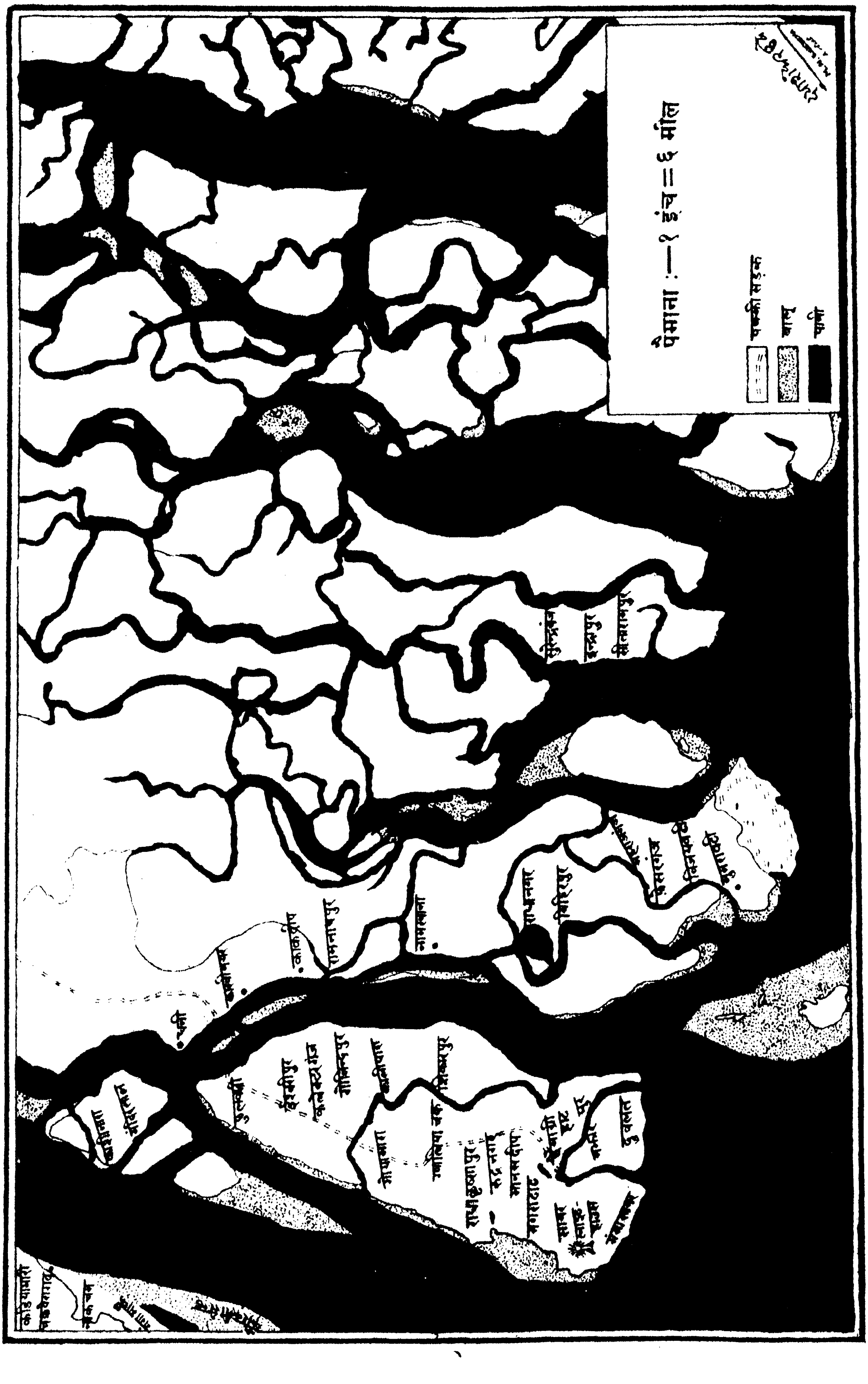
३३—प्लासी से बालागढ़ तक



३४—बालागढ़ से मायापूर तक



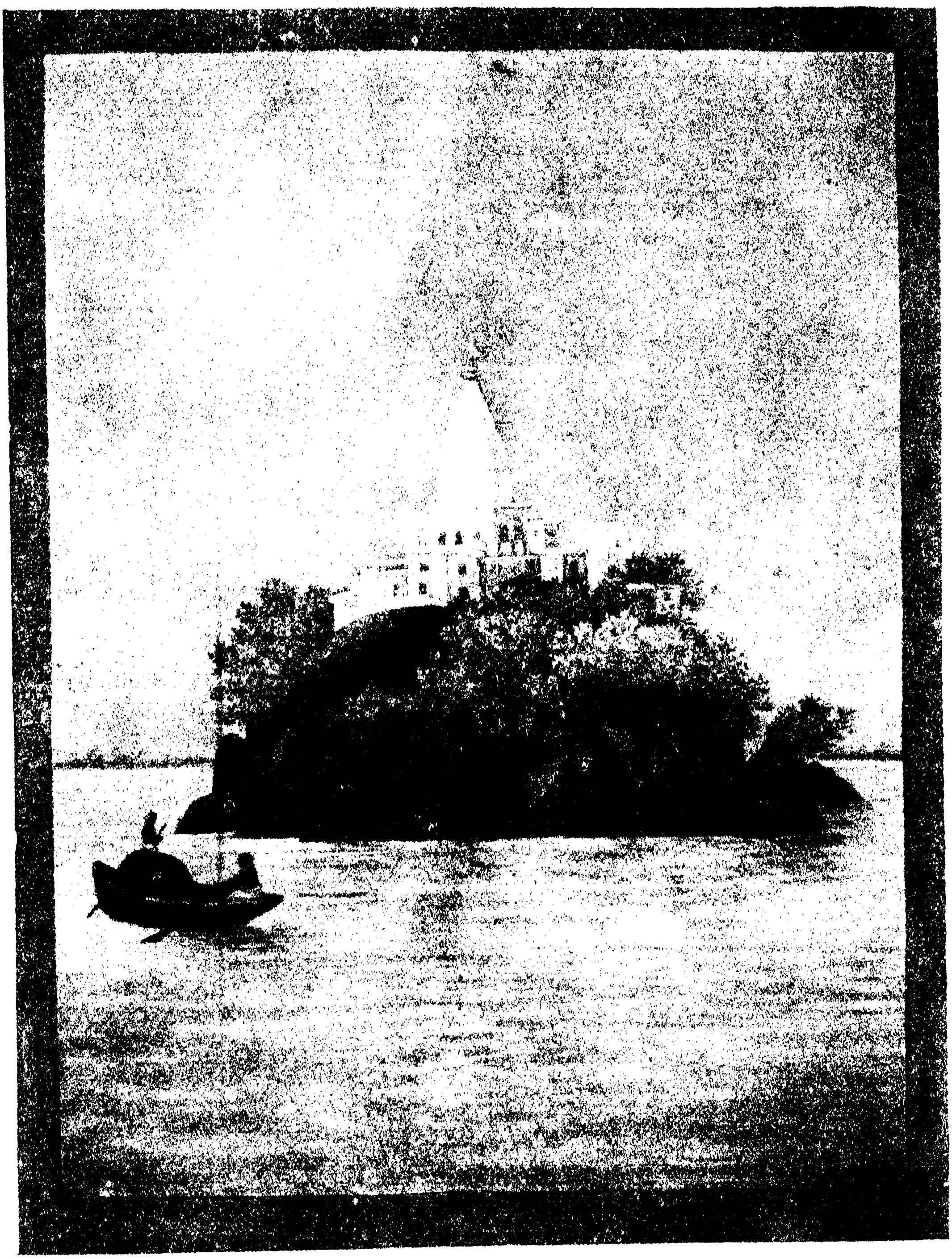
३५—मायापुर से हल्दी-संगम तक



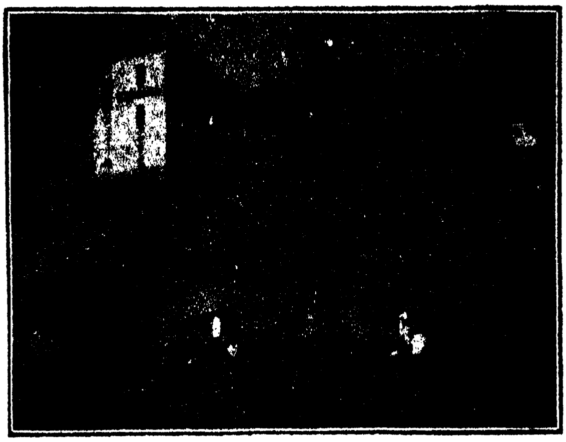
३६—काशीनारा से गंगासागर तक

गंगा-अंक का परिशिष्ट

गंगा-अंक के बचे हुये चित्र



गंगा मध्यस्थ जन्हुऋषि स्थान. यहीं जान्हवी का जन्म हुआ है और यहीं अजगवीनाथ महादेव हैं



तुलसी घाट, अस्सी बनारस



गंगनानी धर्मशाला से सड़क का एक दृश्य

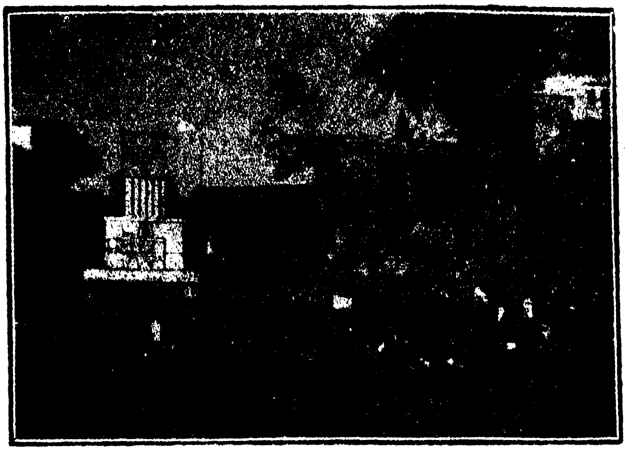
★ ★ ★ ★ ★



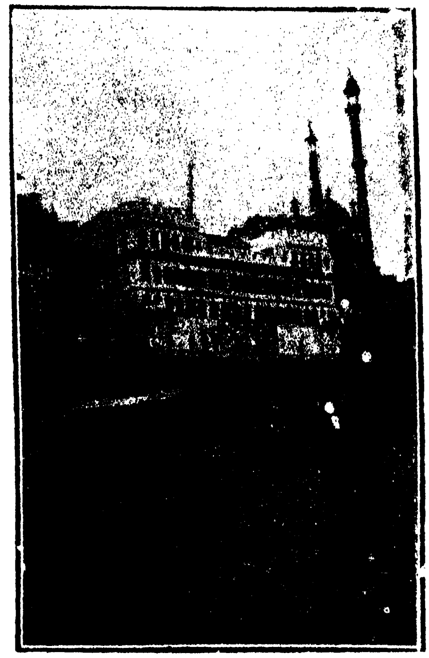
सोलानी पर नहर का पुल, रुड़की के पास



समीप से गौमुख का एक दृश्य

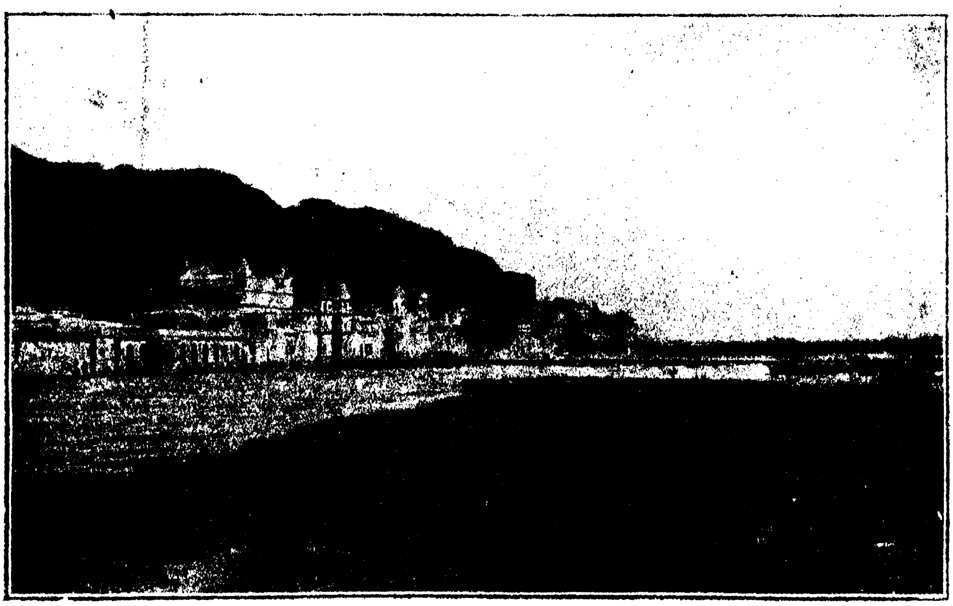


हरिश्चन्द्र घाट, बनारस

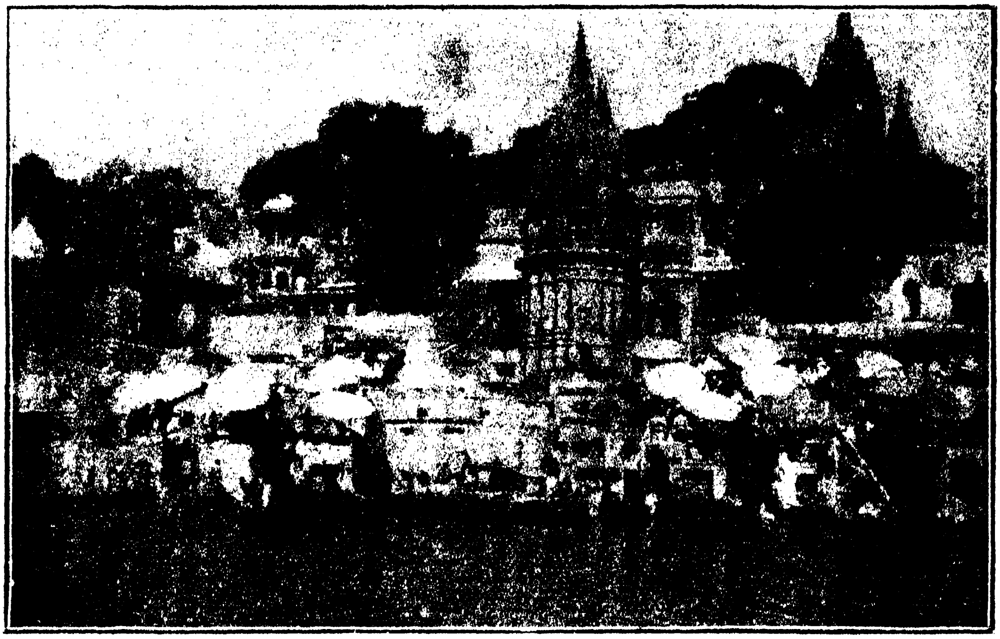


पंचगङ्गा घाट, बनारस

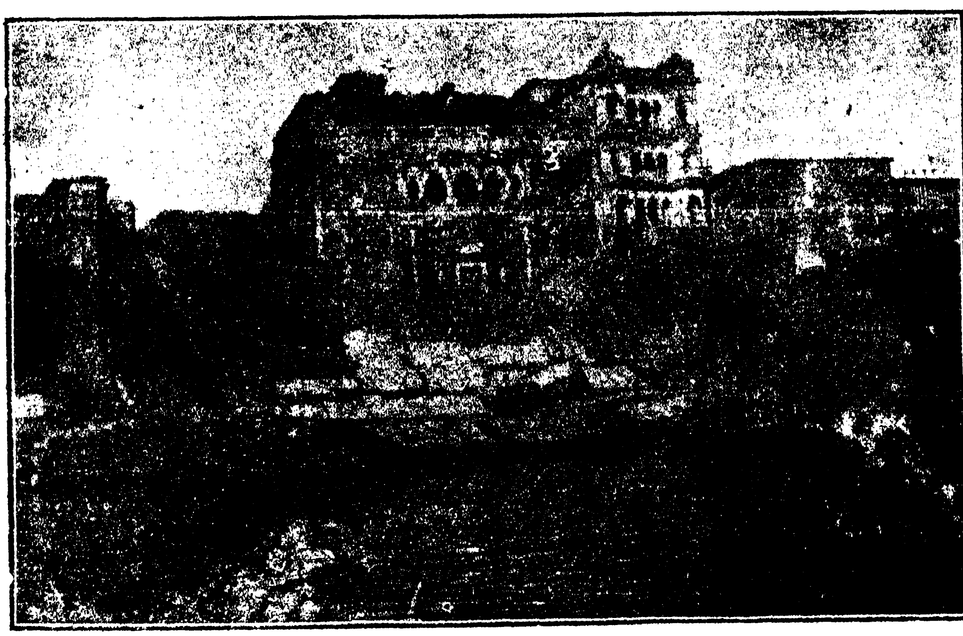
★ ★ ★ ★ ★



हरि की पैड़ी, हरद्वार



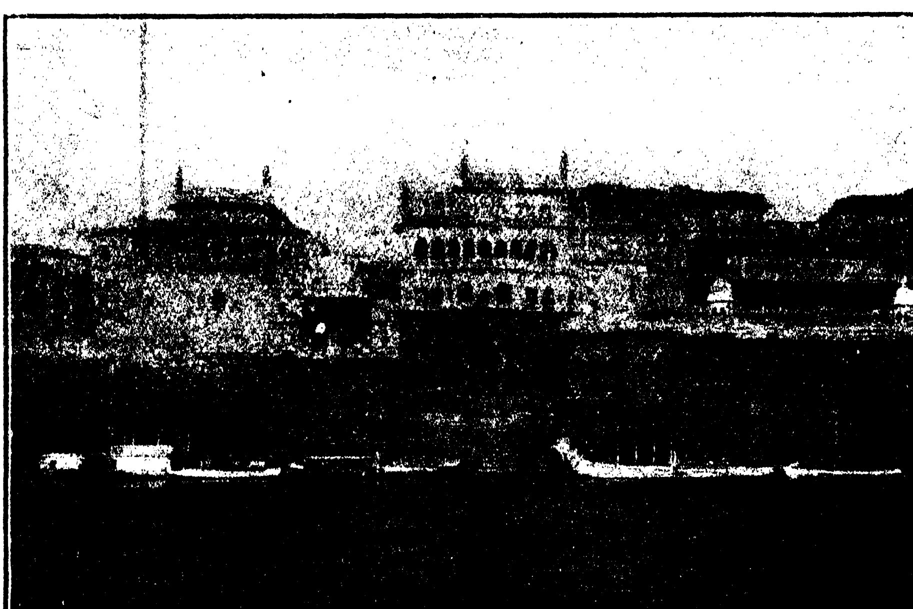
मणिकर्णिका घाट, बनारस



केदार घाट, बनारस



दशाश्वमेध घाट, बनारस



रामनगर, काशी



बक्सर, जिला शाहाबाद



राजा भगीरथ और गंगा सागर

हमारी नई योजना



सभी विचारशील मानते हैं कि ऐसे साहित्य की ज़रूरत थी